RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

11 वर्ष

# दैनिक सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर, सोमवार ●25 मार्च , 2024 वर्षः-11 अंक- 327 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

## आज मस्ती में डूबेंगे हुरियारे, रंग बरसेगा चहुंओर

### होली है! महाकाल के आंगन से हो गई है शुरुआत

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** देश भर में कल सोमवार को रंग, उमंग और उत्साह के त्योहार होली की धूम रहेगी। देश के सभी राज्यों में होली को लेकर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। रंगों का त्योहार होली सिर्फ अपनी रंगीनियत ही नहीं, बल्कि रिश्तों में मिठास का भी जश्न है। एक ऐसा त्योहार, जब सारे गिले-शिकवे दूर हो जाते हैं। बच्चों से लेकर बड़ों और बूढ़ों तक होली के मौके पर कहीं प्यार दिखता है तो कहीं आशीर्वाद। देश में कल सोमवार को होली मनाई जा रही है। घरों से निकली पूआ-पकवान की खुशबू फिजाओं में घुलने लगी है। बाजार पिचकारी से सजे हुए हैं। घर की छतों पर रंग, पानी का पूरा

### भस्म आरती में भक्तों ने जमकर खेली फूलों की होली

स्टॉक तैयार हो गया है। वहीं उज्जैन के ज्योतिर्लिंग महाकालेश्वर के आंगन से देशभर में होली की शुरुआत हो चुकी है। रविवार को भस्म आरती में महाकाल के साथ फूलों की होली खेली गई। उनका भांग, सूखे मेवों, चंदन, आभूषण और फूलों से राजा स्वरूप में श्रृंगार किया गया। पंडे- पुजारियों ने गर्भगृह में मौजूद श्रद्धालुओं पर भी पुष्प वर्षा भी की। कल 25 मार्च को धुलेंडी मनाई जाएगी। इस दिन सुबह 4 बजे भस्म आरती में सबसे पहले महाकाल को रंग-गुलाल लगाया जाएगा। 26 मार्च से महाकाल की प्रतिदिन होने वाली आरती का समय भी बदल जाएगा।

### संक्षिप्त समाचार

## जलसंकट को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंची कर्नाटक सरकार

### कहा-हमारी पानी की किल्लत दूर करने के लिए केंद्र को फंड रिलीज करने का निर्देश दें

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने शनिवार को कहा कि पानी की कमी से जूझ रहे राज्य को केंद्र सरकार से फंड नहीं मिल रहा है। केंद्र से नेशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फंड रिलीज करवाने के लिए राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई है। सिद्धारमैया ने

कहा कि हम पिछले 5 महीने से फंड का इंतजार कर रहे हैं। हम चाहते हैं कि हमारी पानी की किल्लत दूर करने के लिए सुप्रीम कोर्ट केंद्र को फंड रिलीज करने का निर्देश दे। सुप्रीम कोर्ट में होली के चलते एक हफ्ते की छुट्टी है। हमारी याचिका पर अब अगले हफ्ते ही सुनवाई होगी।

## होली की शुभकामनाएं एवं अवकाश की सूचना

रंगों के पर्व होली पर हमारे सभी पाठकों, विज्ञापन दाताओं को हार्दिक शुभकामनाएं। कल 25 मार्च को कार्यालय में अवकाश रहेगा। अतः अगला अंक अब 27 मार्च को प्रकाशित होगा।

**संपादक**

## कॉपी जांचने वाले टीचर्स की न लगाएं चुनाव ड्यूटी

### माशिमं अध्यक्ष ने लिखी जिला कलेक्टरों को चिट्ठी, की अपील

**भोपाल।** लोकसभा चुनाव के ऐलान के साथ मुख्य चुनाव आयुक्त ने सार्वजनिक तौर पर कहा है कि संविदा कर्मचारियों से चुनाव ड्यूटी नहीं कराने के आयोग के

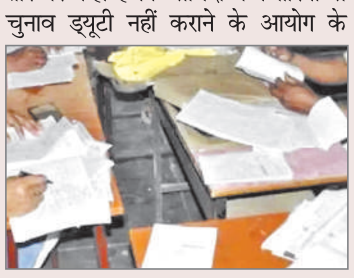

निर्देश का पालन इस बार सख्ती से करना होगा। ऐसा न करने वाले कलेक्टर कार्यवाही के लिए जिम्मेदार होंगे। उधर माध्यमिक शिक्षा मंडल ने सभी कलेक्टरों को परीक्षा की कॉपी जांचने में लगे टीचर्स की ड्यूटी चुनाव में नहीं लगाने के लिए पत्र लिखा है। ऐसे में चुनाव के लिए जिलों में अमले की कमी की स्थिति कलेक्टरों के समक्ष बन रही है। इस बीच कलेक्टरों के साथ दिक्कत यह है कि चुनाव कराने के लिए प्रदेश भर मे 5 लाख 20 हजार कर्मचारियों की जरूरत है और लगातार हो रहे रिटायरमेंट और नियमित पदों पर कर्मचारियों की कमी से चुनाव कराने के लिए स्टाफ नहीं मिल पा रहा है।

## केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ रैली करेगा 'गठबंधन'

### 31 मार्च को दिल्ली के रामलीला मैदान में होगा आयोजन

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दिल्ली शराब नीति केस में 21 मार्च को गिरफ्तार हुए दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल जेल से सरकार चला रहे हैं। उन्होंने रविवार

को जल मंत्रालय के नाम पहला सरकारी आदेश जारी किया। उन्होंने जल मंत्री आतिशी को निर्देश दिया कि दिल्ली में जहां पानी की कमी है, वहां टैंकरों का इंतजाम करें। इधर, केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर इंडिया गुट के नेताओं ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें एएपी नेता गोपाल राय ने कहा कि केंद्र सरकार विधायकों की खरीद-फरोख्त कर, लोगों को डरा-धमकाकर पूरे विपक्ष को चुप करा रही है। जो झुकने और डरने को तैयार नहीं हैं, उन पर फर्जी मुकदमे करके उन्हें गिरफ्तार किया जा रहा है।

- **जेल से सरकारी कामकाज कर रहे केजरीवाल, दिया आदेश**

गोपाल राय ने कहा कि अगर कांग्रेस जैसी बड़ी पार्टी का खाता सीज हो सकता है, तो जो व्यापारी इन्हें चंदा नहीं देगा उसका खाता सीज किया जाएगा। हर किसी की आवाज दबाई जाएगी। इनके खिलाफ लड़ाई को बड़ा करने के लिए 31 तारीख को 10 बजे रामलीला मैदान में हम महारैली करेंगे। पूरी दिल्ली से अपील है कि एकजुट हों। वहीं, केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद आम आदमी पार्टी ने पहली बड़ी बैठक की है।

## ईडी की कस्टडी से सीएम केजरीवाल का पहला आदेश

### जल मंत्रालय के लिए जारी किया नोट, पेयजल परेशानी का जिक्र

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ईडी की कस्टडी से पहला आदेश जारी किया है। सूत्रों के अनुसार सीएम ने जल मंत्रालय को लेकर नोट के जरिये आदेश जारी किया है। केजरीवाल के आदेश के बाद जल मंत्री आतिशी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस भी की। आतिशी ने सीएम के इस नोट का जिक्र किया। नोट में अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली के कुछ इलाकों में पानी और सीवर से जुड़ी समस्याओं का जिक्र किया है। केजरीवाल ने गर्मी के सीजन में पानी के टैंकरों की पर्याप्त व्यवस्था करने का आदेश दिया है। सीएम अरविंद केजरीवाल दिल्ली शराब नीति घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी की रिमांड पर हैं। पीएमएलए कोर्ट ने केजरीवाल को 28 मार्च तक ईडी रिमांड का आदेश दिया था। सीएम केजरीवाल ने नोट में लिखा कि मुझे पता चला है कि दिल्ली के इलाकों में पानी और सीवर की काफी समस्या हो रही है।

## होली पर आज बीजेपी कार्यकर्ता कहेंगे-पीएम मोदी की राम-राम

### वीडी बोले-घर-घर गुलाल लगाएंगे; केजरीवाल को बताया सॉफ्ट नक्सलिज्म का निर्माता

**भोपाल।** मध्यप्रदेश भाजपा के कार्यकर्ता होली के पर्व पर मोदी की ओर से प्रदेश भर के सभी 64523 बूथों पर गुलाल लगाकर शुभकामनाएं देंगे। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने भाजपा कार्यालय में मीडिया से चर्चा में कहा- हमारे कार्यकर्ता घर-घर गुलाल लगाएंगे और मोदी की राम-राम पहुंचाएंगे। वीडी शर्मा ने कहा- भाजपा ने यह तय किया है कि मप्र के सभी 64523 बूथों पर भाजपा के सभी कार्यकर्ता मोदी जी को गुलाल लगाएंगे, और राम-राम पहुंचाएंगे। होली के पर्व पर बूथ समिति पन्ना प्रमुख, वरिष्ठ कार्यकर्ता, बूथ में निवासरत जनप्रतिनिधि एक साथ होली मिलन कार्यक्रम करेंगे। इस पर्व पर भाजपा कार्यकर्ता घर-घर गुलाल लगाएंगे और मोदी जी को राम-राम पहुंचाएंगे। हम सब मोदी जी का परिवार हैं। महिला कार्यकर्ता घरों में महिलाओं से संपर्क करेंगी। गणमान्य नागरिक से मिलेंगे। जिन परिवारों में किसी का दुखद निधन हुआ है, उन शोकाकुल परिवारों में भी हमारे कार्यकर्ता अनरय की होली में शामिल होंगे।

## बसपा की 16 नाम की पहली लिस्ट जारी ,7 मुस्लिम चेहरे

### रामपुर से जीशान, सहारनपुर से माजिद अली को टिकट

**लखनऊ (एजेंसी)।** लोकसभा चुनाव के लिए मायावती ने बसपा प्रत्याशियों की पहली लिस्ट जारी कर दी। इसमें पश्चिम यूपी के 16 नाम हैं। इनमें से 7 मुस्लिम चेहरे हैं। रामपुर से जीशान खां, सहारनपुर से माजिद अली और मुरादाबाद से इरफान सैफी, संभल से शौलत अली, अमरोहा से मुजाहिद हुसैन, आंवला से आबिद अली, पीलीभीत से अनीस अहमद खा उर्फ फूलबाबू हैं। मायावती ने पश्चिम यूपी में मुस्लिम प्रत्याशियों पर दांव लगाया है। इस चुनाव में बसपा ने किसी पार्टी के साथ गठबंधन नहीं किया। मायावती ने अकेले ही सभी सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान किया था। 2019 में बसपा ने सपा और रालोद के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ा था, जिसमें बसपा ने 10 सीटों पर जीत दर्ज की थी। पश्चिम यूपी की ज्यादातर सीटें मुस्लिम बाहुल्य हैं। इसलिए, मायावती ने 16 सीटों पर 7 मुस्लिम चेहरे उतारे हैं।

- **पश्चिम यूपी में मायावती का मुस्लिम कार्ड, सपा परेशान**

## बिहार में जेडीयू के 16 उम्मीदवारों के नाम की घोषणा

### मुंगेर से ललन सिंह तो लवली आनंद शिवहर से होंगी उम्मीदवार

**पटना (एजेंसी)।** बिहार में लोकसभा चुनाव को लेकर एनडीए गठबंधन में शामिल प्रमुख घटक दल जेडीयू की ओर से रविवार को पार्टी उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर दिया गया।

जेडीयू की ओर से घोषित 16 उम्मीदवारों में दो महिला उम्मीदवार का नाम शामिल है। जेडीयू के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष वाल्मीकिनगर से सुनील कुमार, शिवहर से लवली आनंद, सीतामढ़ी देवेशचंद्र ठाकुर, झंझारपुर रामप्रीत मंडल, सुपौल से दिलेश्वर कामैत, कटिहार से दुलालचंद्र गोस्वामी उम्मीदवार होंगे।

### एमपी में गर्मी के तेवर

## रतलाम में रिकॉर्ड 39 °C टेम्प्रेचर

**भोपाल।** ओले-बारिश का दौर थमने के बाद मध्यप्रदेश में गर्मी अपने तेवर दिखा रही है। शनिवार को रतलाम में रिकॉर्ड 39 डिग्री पारा पहुंच गया, जबकि भोपाल-नर्मदापुरम समेत 5 शहरों में टेम्प्रेचर 38 डिग्री के पार रहा। इस सीजन में पहली बार सभी शहरों में

### सीजन में पहली बार टेम्प्रेचर ज्यादा; भोपाल-नर्मदापुरम समेत 5 शहरों में 38 डिग्री पार

तापमान ज्यादा रहा। रीवा में तो एक ही दिन में 5 डिग्री की बढ़ोतरी हुई। मौसम विभाग के अनुसार अगले कुछ दिन तक गर्मी के तेवर ऐसे ही रहेंगे। रविवार को भी टेम्प्रेचर में बढ़ोतरी होगी। इधर, रात में कई शहरों में तापमान बढ़ गया। सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया- अभी कोई सिस्टम नहीं है। इस वजह से गर्मी का असर बढ़ रहा है। बारिश के आसार भी नहीं है। ऐसे में 27 से 31 मार्च के बीच कई शहरों

में टेम्प्रेचर 40 डिग्री तक टेम्प्रेचर पहुंच सकता है। शनिवार को प्रदेश का पूर्वी हिस्सा यानी जबलपुर, रीवा संभाग सबसे ज्यादा गर्म रहा। शनिवार को कई शहरों में दिन का तापमान 5 डिग्री तक बढ़ गया। रीवा में 5.1 डिग्री, छिंदवाड़ा में 1.7 डिग्री, जबलपुर में 2.4 डिग्री, खजुराहो में 3.4 डिग्री, मंडला में 1.8 डिग्री, नौगांव में 3.8 डिग्री, सागर में 2.8 डिग्री, सतना में 3.2 डिग्री, सिवनी में 1.2 डिग्री, सीधी में 3.8 डिग्री, टीकमगढ़ में 3 डिग्री, उमरिया में 2 डिग्री, भोपाल में 2 डिग्री, रतलाम में 1.8 डिग्री, रायसेन में 1.6 डिग्री, ग्वालियर में 1.2 डिग्री की बढ़ोतरी हुई। शनिवार को पचमढ़ी में पारा सबसे कम 30.8 डिग्री रहा, जबकि रतलाम में तापमान 39 डिग्री दर्ज किया गया। भोपाल में 38.4 डिग्री, टीकमगढ़ में 38, सागर में 38.6 और नर्मदापुरम 38.8 डिग्री रहा। जबलपुर, उज्जैन, शाजापुर, रायसेन, नौगांव, खरगोन, सतना, खंडवा, मंडला और खजुराहो में पारा 37 डिग्री या इससे अधिक दर्ज किया गया। इंदौर, ग्वालियर, धार, बैतूल, सीधी और उमरिया में पारा 36 से 36.9 डिग्री तक रहा।

## भारत के साथ फिर व्यापार शुरू करना चाहता है पाकिस्तान

### 2019 में आर्टिकल 370 हटाए जाने के विरोध में रोका था ट्रेड

**इस्लामाबाद (एजेंसी)।** पाकिस्तान भारत के साथ व्यापार संबंध बहाल करने पर विचार कर रहा है। पाकिस्तान ने अगस्त 2019 में जम्मू और कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाए जाने के बाद भारत के साथ व्यापार को एकतरफा तरीके से रोक दिया था।

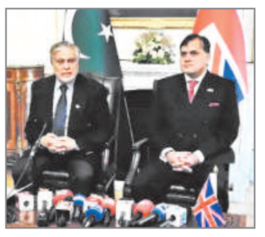

पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने कहा- पाकिस्तान का व्यापारिक समुदाय भारत के साथ व्यापार बहाल करना चाहता है। इस संबंध में पाकिस्तान सरकार मामले से जुड़े सभी लोगों से एडवाइस लेगी और सभी प्रस्तावों की समीक्षा के बाद ही कोई निर्णय लिया जाएगा। फरवरी 2024 में भारत सरकार ने कहा था कि पाकिस्तान के साथ थोड़ा व्यापार अब भी हो रहा है। ये समुद्री रास्तों से हो रही है।

## असम सीएम ने मिया मुसलमानों के लिए तय की शर्तें

- **कहा-स्वदेशी मान्यता चाहिए तो बच्चों को मदरसों में न भेजें, बालविवाह-बहुविवाह छोड़ें**

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा है कि अगर बंगाली भाषी मुसलमानों को राज्य के खिलोनजिया स्वदेशी की मान्यता चाहिए तो उन्हें बाल विवाह और बहुविवाह जैसी प्रथाओं को छोड़ना होगा। इतना ही नहीं उन्होंने कहा कि इन लोगों को बच्चों को मदरसों की जगह स्कूल भेजना होगा ताकि वे डॉक्टर-इंजीनियर बनें। हिमंता ने कहा कि मिया (बंगाली भाषी मुस्लिम) स्वदेशी हैं या नहीं, यह एक अलग मामला है। अगर वे स्वदेशी होना चाहते हैं, तो हमें कोई समस्या नहीं है। लेकिन इसके लिए, उन्हें बाल विवाह और बहुविवाह को छोड़ना होगा। मिया असम में बंगाली भाषी मुसलमानों के लिए इस्तेमाल होने वाला अपमानजनक शब्द है और गैर-बंगाली भाषी लोग आम तौर पर उन्हें बांग्लादेशी अप्रवासी के रूप में पहचानते हैं। इतना नहीं सरमा ने यह शर्त भी रखी कि वे दो से ज्यादा बच्चे पैदा नहीं कर सकेंगे, न ही अपनी नाबालिग बेटियों की शादी कर सकेंगे। हिमंता ने कहा कि असमिया लोगों की एक संस्कृति है जिसमें लड़कियों की तुलना शक्ति (देवी) से की जाती है और दो-तीन बार शादी करना असमिया संस्कृति नहीं है। अगर बंगाली भाषी मुसलमान असमिया रीति-रिवाजों का पालन कर सकते हैं, तो उन्हें भी स्वदेशी माना जाएगा। मुख्यमंत्री सरमा ने एजुकेशन पर जोर देते हुए मिया मुसलमानों को मदरसों से दूर रहने और मेडिकल-इंजीनियरिंग जैसी फील्ड्स में फोकस करने की अपील की।

## मोबाइल में ब्लास्ट...4 बच्चों की जलकर मौत

- **माता-पिता की हालत बेहद गंभीर, यूपी के मेरठ में हुआ हादसा**

**मेरठ (एजेंसी)।** मेरठ में शनिवार शाम मोबाइल में ब्लास्ट होने से एक घर में आग लग गई। हादसे में 6 लोग बुरी तरह से झुलस गए। 4 बच्चों ने इलाज के दौरान अस्पताल में दम तोड़ दिया। वहीं, उनके मां-पिता की हालत गंभीर है। घटना पल्लवपुरम थाना क्षेत्र के जनता कॉलोनी की है। पहले चार्जर में शॉर्ट सर्किट के कारण बिजली वायरिंग में आग लगी। इसके बाद गद्दे पर रखे दोनों मोबाइल में

एक-एक करके धमाका हुआ। चारों बच्चे उसी गद्दे पर सोए हुए थे। धमाके के बाद सभी बच्चे आग में फंस गए। बच्चों को बचाने आए माता-पिता भी बुरी तरह से झुलस गए। आग इतनी तेज फैली की कोई बाहर नहीं निकल सका। पुलिस के मुताबिक, मृतकों में कल्लू (5 साल), गोलू (7 साल), निहारिका (9 साल) और सारिका (12 साल) हैं।

प्रदेश पाती

दैनिक सद्भावना पाती

इंदौर, सोमवार 25 मार्च, 2024

# नाम निर्देशन पत्र एवं उसके बाद की गतिविधियों को लेकर सभी सहायक रिटर्निंग अधिकारियों का हुआ प्रशिक्षण

## निर्वाचन से संबंधित सूक्ष्म से सूक्ष्म चीज प्रशिक्षण में बताई गई

**नर्मदापुरम (निप्र)।** शनिवार को लोकसभा निर्वाचन 2024 के अंतर्गत नाम निर्देशन पत्र प्राप्त करने एवं उसके बाद की संपूर्ण प्रक्रिया का बारीक से बारीक प्रशिक्षण सभी सहायक रिटर्निंग अधिकारियों को दिया गया। प्रशिक्षण नेशनल लेवल मास्टर ट्रेनर पंकज दुबे, राजेश जायसवाल एवं दुर्गेश व्यास ने दिया। प्रशिक्षण में उप जिला निर्वाचन अधिकारी डीके सिंह, इटारसी के सहायक रिटर्निंग अधिकारी टी प्रतीक राव, श्रीमती नीता कोरी समेत संबंधित अधिकारीगण मौजूद थे। बताया गया कि 28 मार्च को गजट नोटिफिकेशन के साथ ही नाम निर्देशन लेना प्रारंभ हो जाएंगे। नाम निर्देशन पत्र प्रातः11 बजे से दोपहर 3 बजे तक प्राप्त किए जा सकेंगे। अभ्यर्थी 8 अप्रैल को दोपहर 3 बजे के पहले तक अपना नाम वापस ले सकेंगे। रिटर्निंग अधिकारी फार्म में पब्लिक नोटिस जारी करेंगे। यह नोटिस रिटर्निंग अधिकारी के हस्ताक्षर से ही जारी होगा। फार्म का प्रारूप हिंदी और अंग्रेजी दोनो में होगा इसमें नाम वापसी की अंतिम तिथि से लेकर समय और तारीख की सभी जानकारियां रहेंगी।

### नाम निर्देशन- आवश्यक दस्तावेज

बताया गया कि सभी अभ्यर्थियों को नाम निर्देशन पत्र दाखिल करते समय सभी दस्तावेज लाने होंगे। लेकिन दस्तावेज के अभाव में अभ्यर्थियों को नाम निर्देशन पत्र दाखिल करने से नहीं रोका जा सकेगा भले ही बाद में स्कूटनी में उनका फॉर्म अमान्य हो जाए। एक अभ्यर्थी अधिकतम चार नॉमिनेशन पत्र दाखिल कर सकते हैं और यह नॉमिनेशन पत्र एक बार में चार या दो अलग-अलग बार भी दाखिल किये जा सकते हैं। दो से अधिक सीट पर नॉमिनेशन करने पर अभ्यर्थी का नाम निर्देशन पत्र निरस्त कर दिया जाएगा। भले अभ्यर्थी चार नाम निर्देशन पत्र दाखिल करें लेकिन एक नॉमिनेशन पत्र पर जमानत राशि एक ही बार देनी होगी। यह जमानत राशि नगद या चालान या ऑनलाइन चालान कर अभ्यर्थी जमा कर सकते हैं। सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए 25 हजार एवं अनुसूचित जाति एवं जनजाति के अभ्यर्थी के लिए 12 हजार 500 रुपए जमानत राशि निर्धारित की गई है। प्रारूप 2 -ए में अभ्यर्थी अपना नवीनतम फोटो लगाएंगे और 10 बिंदुओं पर आधारित जानकारी जिनमे संपत्ति और अन्य जानकारियां हैं उससे अवगत कराएंगे। मान्यता प्राप्त राजनीतिक पार्टी के अभ्यर्थी के लिए केवल एक प्रस्तावक की आवश्यकता होगी। लेकिन वह दल जो दूसरे राज्य में तो मान्यता प्राप्त हैं व निर्दलीय है उन्हें 10 प्रस्तावक की आवश्यकता होगी। प्रस्तावक संबंधित क्षेत्र का मतदाता होना आवश्यक है। एक प्रस्तावक एक से अधिक अभ्यर्थियों का प्रस्तावक बन सकता है। एक बार हस्ताक्षर करने के बाद प्रस्तावक मुकर नहीं सकेगा। बताया गया कि प्रत्येक अभ्यर्थियों को निर्वाचन व्यय के लिए एक बैंक खाता खोलना होगा। यह बैंक खाता नामांकन के 1 दिन पूर्व खोलना आवश्यक है। पुराना बैंक खाता मान्य नहीं होगा । अभ्यर्थी अपने इलेक्शन एजेंट के साथ संयुक्त रूप से खाता खोल सकता है। बताया गया कि फार्म 26 भरना प्रत्येक अभ्यर्थी के लिए अनिवार्य है। शपथ पत्र के प्रत्येक पृष्ठ पर अभ्यर्थी के हस्ताक्षर होना आवश्यक है। यह हस्ताक्षर नोटरी या सहायक रिटर्निंग अधिकारी के समक्ष किया जा सकेगा। यदि अभ्यर्थी चाहे तो वह अपने शपथ पत्र को ई फाइल में भी दे सकता है। अभ्यर्थियों को अपने आपराधिक मामलों की जानकारी देना अनिवार्य होगा, जैसे ही अभ्यर्थी अपने आपराधिक प्रकरणों की जानकारी रिटर्निंग अधिकारी को देंगे, वैसे ही रिटर्निंग अधिकारी प्रारूप सी - तीन में अभ्यर्थियों को नोटिस देंगे कि वह समाचार पत्रों एवं टेलीविजन चैनलों पर अपने आपराधिक मामलों की जानकारी से संबंधित विज्ञापन प्रकाशित कराए। अभ्यर्थी जैसे-जैसे विज्ञापन प्रकाशित कराएगा वैसे-वैसे उसकी जानकारी से रिटर्निंग अधिकारी को अवगत कराएगा। इसके अलावा अभ्यर्थी को अपने आपराधिक मामलों की जानकारी अपनी पार्टी को भी देनी होगी ।

अभ्यर्थी अपनी पार्टी को प्रारूप 6 ए में सूचित करेंगे। अभ्यर्थी की पार्टी भी इसकी सूचना समाचार पत्रों में और अपनी वेबसाइट में प्रकाशित कराएंगी। रिटर्निंग अधिकारी नाम निर्देशन पत्रों की जांच करेंगे। अभ्यर्थी अपने निर्वाचन अभिकर्ता की नियुक्ति कर सकेंगे। अभ्यर्थी की जानकारी 24 घंटे में आयोग की वेबसाइट पर डाल दी जाएगी। अभ्यर्थी जब नाम निर्देशन पत्र दाखिल करेंगे तब उन्हें व्यय लेखा का रजिस्टर भी दिया जाएगा।

प्रतिदिन के खर्च को अभ्यर्थी व्यय रजिस्टर में प्रतिदिन लिखेंगे। बताया गया कि प्रारूप 5 में अभ्यर्थी नाम वापसी की जानकारी रिटर्निंग अधिकारी को देंगे।

### नामांकन पत्रों की संवीक्षा

नामांकन पत्रों की 5 अप्रैल से संवीक्षा शुरू हो जाएगी। सहायक रिटर्निंग अधिकारी जनपद पंचायत एवं जहां वह उचित समझेंगे वहां पर सार्वजनिक सूचना का नोटिस चस्पा करेंगे लेकिन संवीक्षा का कार्य रिटर्निंग अधिकारी ही करेंगे। नाम निर्देशन पत्र दाखिल करते समय रिटर्निंग अधिकारी कक्ष से 100 मीटर के दायरे में अभ्यर्थी 03 वाहन ही ला सकेंगे। समय का निर्धारण रिटर्निंग अधिकारी के कक्ष में लगी घड़ी से ही किया जाएगा। प्रशिक्षण में बताया गया कि सभी सहायक रिटर्निंग अधिकारी अंतिम दिन विशेष सावधानी रखेंगे। दोपहर 3 बजे के बाद कोई भी नाम निर्देशन पत्र नहीं लिए जाएंगे लेकिन उससे पूर्व यदि लोग आ जाते हैं तो उन्हें कक्ष के अंदर प्रवेश करायेगे।

## संक्षिप्त समाचार

### सुनारी और भरतीपुर में महिलाओं ने रैली निकालकर तथा मानव श्रृंखला बनाकर दिया मतदान का संदेश

**रायसेन (निप्र)।** लोकसभा निर्वाचन-2024 में रायसेन जिले में अधिकाधिक मतदान हेतु कलेक्टर तथा जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अरविंद दुबे के निर्देशन में स्वीप प्लान के तहत मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में सांची विकासखण्ड की ग्राम पंचायत सुनारी तथा ग्राम पंचायत शाहपुर के होमस्टे ग्राम भरतीपुर में महिलाओं तथा अधिकारियों, कर्मचारियों द्वारा रैली निकालकर तथा मानव श्रृंखला बनाकर मतदाताओं को लोकसभा निर्वाचन में अनिवार्य रूप से मतदान करने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर जनपद सीईओ श्रीमती बंदू सूर्यवंशी, जनशिक्षक श्री सूर्यप्रकाश सक्सेना सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

### सहायक शिक्षक निलंबित

**विदिशा (निप्र)।** अपने कर्तव्य स्थल से बिना सूचना के अनुपस्थित रहने पर शासकीय हाई स्कूल खरी के सहायक शिक्षक अनूप कुमार जैन को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के आदेश जारी किए जा चुके है।जिला शिक्षा अधिकारी श्री आरके ठाकुर द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार सहायक शिक्षक अनूप कुमार जैन 27 मई 2022 से अपने कर्तव्य स्थल पर अनुपस्थित है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के आदेश तहत श्री जैन के खिलाफ निलंबन की कार्यवाही की गई है। निलंबित सहायक शिक्षक अनूप जैन को पांच दिवस के भीतर अपना पक्ष जिला शिक्षा अधिकारी के समक्ष उपस्थित होकर प्रतिवाद प्रस्तुत करने हेतु ताकिद किया गया है। अनुपस्थिति की दशा में विभागीय कार्यवाही करते हुए सेवा समाप्ति की कार्यवाही के लिए स्वंय उत्तरदायी होंगे।

### रंगपंचमी पर 30 मार्च को रहेगा स्थानीय अवकाश

**हरदा (निप्र)।** कलेक्टर श्री आदित्य सिंह ने हरदा जिले में वर्ष 2024 के लिये पूर्व में घोषित किये गये तीन स्थानीय अवकाशों में आंशिक संशोधन किया है। संशोधित अधिसूचना अनुसार 1 नवम्बर शुक्रवार दीपावली के दूसरे दिन का अवकाश निरस्त करते हुए अब 30 मार्च 2024 शनिवार को रंगपंचमी का स्थानीय अवकाश घोषित किया गया है। उल्लेखनीय है कि 20 अगस्त मंगलवार को भुजरिया पर्व तथा 11 अक्टूबर शुक्रवार को दुर्गा अष्टमी/महानवमी का स्थानीय अवकाश सम्पूर्ण हरदा जिले के लिये पूर्व से घोषित किया गया है। ये अवकाश बैंक एवं कोषालयों पर लागू नहीं होंगे।

### खाद्य एवं औषधि विभाग के दल ने निरीक्षण कर 7 नमूने लिये

**हरदा (निप्र)।** खाद्य एवं औषधि विभाग के दल ने गुरूवार को हरदा व टिमरनी के खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर कुल 7 नमूने लिये। निरीक्षण के दौरान बृजवासी मावा भंडार से मावा, विनय होटल से दही एवं लस्सी, बनिक किराना हरदा से कनफेक्शनरी के 2 तथा आयुष चिल्ड वाटर पोखरनी से पैकेज ड्रिंकिंग वाटर के 2 नमूने लिये।

### लोकसभा निर्वाचन के स्ट्रांग रूम का निरीक्षण किया रिटर्निंग अधिकारी सूर्यवंशी और कलेक्टर श्री सिंह ने

**हरदा (निप्र)।** लोकसभा निर्वाचन के लिए जिले में सभी आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। इसी क्रम में शनिवार को बैतूल कलेक्टर तथा संसदीय क्षेत्र के रिटर्निंग अधिकारी श्री नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी ने कलेक्टर हरदा श्री आदित्य सिंह के साथ पॉलिटेक्निक कॉलेज हरदा में बनाए गए स्ट्रांग रूम का निरीक्षण किया। इस दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री रोहित सिसोनिया, एसडीएम हरदा श्री कुमार सानू, एसडीएम टिमरनी श्री महेश बडोले, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण श्री सुभाष पाटिल सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद थे । रिटर्निंग अधिकारी बैतूल श्री सूर्यवंशी और कलेक्टर हरदा श्री आदित्य सिंह ने मतगणना कक्षों में जाकर वहां की जा रही तैयारी का जायजा भी लिया । इस दौरान उन्होंने निर्देश दिए कि मतदान दलों को रवाना करने से पहले उन्हें व्यवस्थित तरीके से बिठाकर सभी आवश्यक सामग्री दी जाए।

## प्रलोभनरहित, निष्पक्ष और निर्बाध निर्वाचन सम्पन्न कराने सजगता और सक्रियता से काम करें: कलेक्टर दुबे

**रायसेन (निप्र)।** लोकसभा आम निर्वाचन-2024 अंतर्गत इनफोर्समेंट एजेंसी की बैठक कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अरविंद दुबे की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सम्पन्न हुई। कलेक्टर श्री दुबे ने बैठक में उपस्थित इनफोर्समेंट एजेंसी के अधिकारियों को जिले में प्रलोभनरहित, निष्पक्ष, निर्बाध एवं स्वतंत्र निर्वाचन सम्पन्न कराने के लिए सजगता और सक्रियता से काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लोकसभा निर्वाचन में अभ्यर्थी द्वारा निर्वाचन व्यय की सीमा 95 लाख है। अभ्यर्थी द्वारा निर्धारित सीमा से अधिक व्यय ना किया जाए, इसकी सघन मॉनीटरिंग किया जाना है। कलेक्टर श्री दुबे ने निर्देश देते हुए कहा कि नगदी, शराब, मादक पदार्थो, कीमती वस्तुओं और फ्रीबीज के परिवहन पर कड़ी निगरानी रखते हुए नियमानुसार जांच कर कार्यवाही की जाए। एफएसटी, एसएसटी सहित अन्य दल सजग रहें और सघन जांच करें। जहां-जहां आवश्यक है, वहां जांच नाके बनाए जाएं। बैठक में डीएफओ रायसेन श्री विजय कुमार, डीएफओ औबेदुल्लागंज श्री हेमंत रायकवार, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंजू पवन भदौरिया, अपर कलेक्टर श्रीमती श्वेता पवार, एएसपी श्री कमलेश कुमार, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री मुकेश सिंह सहित जिला कोषालय अधिकारी, सहायक आयुक्त आबकारी, जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी, इनकम टैक्स निरीक्षक, कर सहायक आयकर विभाग, एलडीएम सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

## कायाकल्प अवार्ड अंतर्गत गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं के लिए पीएचसी अमलाहा जिले में प्रथम

**सीहोर (निप्र)।** जिला चिकित्सालय सहित समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, सिविल अस्पताल तथा 12 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भी कायाकल्प अवार्ड के लिए राष्टीय स्तर पर चयनित हुए । मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सुधीर कुमार डेहरिया ने बताया कि कायाकल्प अवार्ड के लिए जिले की चयनित अन्य स्वास्थ्य संस्थाओं में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र अमलाहा ने संपूर्ण जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया है । संस्था को कायाकल्प अवार्ड के अंतर्गत 02 लाख रूपए की अवार्ड राशि प्राप्त होगी । इसके अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कोठरी, सिद्धिकगंज, रामनगर, पीएचसी वीरपुरडेम, दिवडिया, इटावा-इटारसी, भाउखेडी, चकल्दी, गोपालपुर, बाईबोडी, बकतरा को 50-50 हजार रूपए की कायाकल्प अवार्ड राशि प्राप्त होगी ।सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र दोराहा, जावर, रेहटी, श्यामपुर, बिलकिसगंज, लाडकुई, सिविल अस्पताल इछावर तथा सिविल अस्पताल आष्टा का चयन कायाकल्प अवार्ड के लिए हुआ है । जिला चिकित्सालय को 03 लाख तथा सीएचसी तथा सिविल अस्पताल को 1-1 लाख रूपए, पीएचसी अमलाहा को 02 लाख तथा शेष चयनित पीएचसी को 50-50 हजार रूपए की राशि बतौर अवार्ड प्राप्त होगी । कलेक्टर श्री सिंह तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सुधीर कुमार डेहरिया के दिशा निर्देशन में जिले की कायाकल्प टीम द्वारा संस्था प्रभारियों को विशेष रूप से प्रशिक्षित कर अवार्ड के लिए व्यापक तैयारियां करवाई गई थी ।कायाल्प अभियान के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा तय किए गए 8 बिंदूओं पर केन्द्र और राज्य सरकार के संयुक्त दल द्वारा थेमेटिक एरिया का असिस्मेंट, अपकीप, सफाई सुरक्षा, स्वच्छता, बॉयोमेडिकल वेस्ट प्रबंधन, सपोर्ट सर्विस, ईको फ्रेंडली सर्विसेस इत्यादि का ध्यान रखते हुए सघन मूल्यांकन किया जाता है । कलेक्टर श्री प्रवीण सिंह द्वारा कायाकल्य अवार्ड के लिए चयनित समस्त स्वास्थ्य संस्थाओं, संस्था प्रभारियों तथा पदस्थ स्टॉफ को बधाई दी है ।

## जिला न्यायाधीश द्वारा गांव में पहुंचकर जल संरक्षण का आव्हान किया गया

**सीहोर (निप्र)।** प्रधान जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री सतीश चंद्र शर्मा के निर्देशन में विश्व जल दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायत बिजलोन में समर्थन एनजीओं एवं सीपा संस्था के संयुक्त तत्वाधान में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया । जिला न्यायाधीश एवं सचिव श्री मुकेश कुमार दांगी द्वारा जल के महत्व को बताते हुए सभी से जल संरक्षण के लिए प्रयास करने का आव्हान किया गया । साथ ही आवश्यकतानुसार ही जल का प्रयोग करने की बात कही गई । उनके द्वारा म.प्र. अपराध पीडित प्रतिकर योजना 2015, लीगल एड डिफेंस काउंसिल योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई । न्यायाधीश कु. अकांक्षा कुमार उचाड़िया द्वारा विश्व जल दिवस के आयोजन की पृष्ठभूमि बताते हुये जल के संरक्षण तथा रिसाइक्लिंग पर जोर देते हुए प्रत्येक व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी समझने की बात कही गई । जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री जीशान खान द्वारा निःशुल्क विधिक सहायता एवं सलाह योजना की जानकारी दी गई । तहसील न्यायालय से सर्वोच्च न्यायालय तक निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त करने के बारे में विस्तार से बताया गया । जल प्रदूषण तथा जल की बर्बादी पर रोक लगाने तथा सभी को इस विषय में जागरूक होने की बात कही गई । कार्यक्रम के अंत में ग्रामीणजनों की समस्याओं को भी सुना गया तथा यथोचित परामर्श दिया गया। शिविरों में समर्थन एवं सीपा संस्था के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री आशीष जैन, कार्यक्रम प्रबंधक श्री ऋषिराज पुरोहित एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे ।

## कलेक्टर एवं आरओ दुबे ने की विदिशा संसदीय क्षेत्र अंतर्गत निर्वाचन तैयारियों की समीक्षा

**रायसेन (निप्र)।** लोकसभा आम निर्वाचन-2024 अंतर्गत संसदीय क्षेत्र-18 विदिशा निवार्चन प्रक्रिया सम्पन्न कराने हेतु की जा रही निर्वाचन कार्यवाहियों की समीक्षा बैठक कलेक्टर एवं रिटर्निंग अधिकारी श्री अरविंद दुबे की अध्यक्षता में सभी सहायक रिटर्निंग अधिकारियों की बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सम्पन्न हुई। रिटर्निंग अधिकारी तथा कलेक्टर श्री दुबे ने कहा कि संसदीय क्षेत्र-18 में 12 अप्रैल को अधिसूचना प्रकाशन के साथ ही नामनिर्देशन प्रारंभ हो जाएंगे। यह नाम निर्देशन 19 अप्रैल तक लिए जाएंगे तथा 20 अप्रैल को संवीक्षा की जाएगी। अभ्यर्थी 22 अप्रैल तक नाम वापस ले सकेंगे तथा 07 मई को मतदान होगा। मतगणना 04 जून को होगी।

उन्होंने निर्वाचन प्रक्रिया स्वतंत्र, निष्पक्ष और सुचितापूर्ण रूप से सम्पन्न कराने के लिए आदर्श आचार संहिता का प्रभावी पालन कराने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर श्री दुबे ने विदिशा संसदीय क्षेत्र अंतर्गत लोक सूचना का प्रकाशन, अद्यतन निर्वाचक नामावली, पोस्टल बैलेट, ईटीपीबीएस, निर्वाचन कार्य प्रमाण पत्र, पीडब्ल्यूडी एवं वरिष्ठ मतदाता, आदर्श आचरण संहिता का प्रभावी क्रियान्वयन, ईवीएम मशीनों का द्वितीय रेंडमाइजेशन, निर्वाचन व्यय निगरानी सहित अन्य बिन्दुओं पर विस्तृत चर्चा करते हुए अभी तक की कार्यवाही की समीक्षा की। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में पुलिस अधीक्षक श्री विकास शहवाल, अपर कलेक्टर श्रीमती श्वेता पवार, विदिशा संसदीय क्षेत्र के सभी आठ सहायक रिटर्निंग अधिकारी, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री मुकेश सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

## कलेक्टर वैद्य ने सेल्फी प्वाइंट पर सेल्फी खिंचवाकर और रंगों से हथेली की थाप लगाकर मतदाता जागरूकता का संदेश दिया

### लटेरी में विविध प्रकार के मतदाता जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन हुआ

**विदिशा (निप्र)।** कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री बुद्धेश कुमार वैद्य ने गुरूवार को लटेरी भ्रमण के दौरान यहां मतदाता जागरूकता हेतु बनाए गए सेल्फी पॉइंट पर सेल्फी खिंचवाकर मतदाताओं को मतदान करने के लिए अभिप्रेरित किया है। कलेक्टर श्री वैद्य ने लटेरी के जय स्तंभ चैराहे पर आयोजित गतिविधियों के दौरान कहा कि प्रत्येक मतदाता को अपने मत की ताकत को समझना महत्वपूर्ण है हमें सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करना चाहिए शत प्रतिशत मतदान हो इसलिए सभी मतदाता बंधुओं को अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए मत का प्रयोग ही नहीं करना चाहिए बल्कि अपने आसपास के मतदाताओं को भी वोट डालने के लिए अभिप्रेरित करना चाहिए। कलेक्टर श्री वैद्य एवं जिला पंचायत सीईओ तथा स्वीप के जिला नोडल अधिकारी डॉक्टर योगेश भरसट सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारियों, सामाजिक संगठनो व शैक्षणिक संस्थाओ के

विद्यार्थियों और गुरूजन एवं पत्रकारबंधुओं ने लटेरी में आयोजित विविध प्रकार के मतदाता जागरूकता कार्यक्रमों में शामिल हुए थे। उन्होंने यहां हाथों में रंग लेकर हथैली की थाप लगाकर भी मतदाता जागरूकता का संदेश दिया है। यहां रंगोली के माध्यम से मतदाताओं को मतदान के लिए अभिप्रेरित किया। कार्यक्रम में सिरोंज एसडीएम श्री हर्षल चैधरी, लटेरी एसडीएम श्रीमती अनुभा जैन ने उपस्थित सभी मतदाता बंधुओं को मतदाता जागरूकता की शपथ का वाचन कराया है। स्कूली छात्राओं के द्वारा नुक्कड नाटक के माध्यम से मत के महत्व को रेखांकित करते हुए मतदान जरूर करेंगे बिना किसी भेदभाव व लोभ का चित्रण किया गया।

### समीक्षा बैठक

कलेक्टर श्री बुद्धेश कुमार वैद्य ने लटेरी एसडीएम कार्यालय में खण्ड स्तरीय अधिकारियों की बैठक आयोजित कर उन्हें लोकसभा निर्वाचन कार्यो के सम्पादन के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन दिया है। उन्होंने अधिकारी, कर्मचारियों से सामान्य परिचय प्राप्ति के दौरान विगत चुनाव में क्या-क्या दायित्वों का निर्वहन किया गया है और लोकसभा चुनाव में उनही कार्यो के क्रियान्वयन के लिए मानसिक रूप से तैयार रहने तथा निर्वाचन आयोग के द्वारा जारी निर्देशो के अक्षरशः क्रियान्वयन कराने के संबंध में सारगर्भित मार्गदर्शन दिया है। जिला पंचायत सीईओ डॉ योगेश भरसट ने मतदाता जागरूकता के लिए स्थानीय स्तरों पर नवाचारो के माध्यम से संदेश सम्प्रेषणो पर बल दिया है।

# लोकसभा निर्वाचन के संबंध में हरदा, बैतूल व खंडवा जिलों के कलेक्टर्स व पुलिस अधीक्षकों की बैठक संपन्न

## लोकसभा निर्वाचन के नोडल अधिकारियों को रिटर्निंग अधिकारी सूर्यवंशी ने बैठक में दिए निर्देश

**हरदा (निप्र)।** आगामी 26 अप्रैल को लोकसभा निर्वाचन के लिए मतदान होगा। इससे पूर्व जिले में लोकसभा निर्वाचन की तैयारियाँ जारी हैं। शनिवार को बेतूल- हरदा - हरसूद संसदीय क्षेत्र के रिटर्निंग अधिकारी एवं कलेक्टर बैतूल श्री नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी की अध्यक्षता में संसदीय क्षेत्र से संबंधित तीनों जिलों के कलेक्टर्स व पुलिस अधीक्षकों की बैठक संपन्न हुई।

बैठक में रिटर्निंग अधिकारी श्री सूर्यवंशी ने लोकसभा निर्वाचन के लिए नियुक्त सभी नोडल अधिकारियों को निर्देश दिए कि भारत निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देश अनुसार अपने दायित्वों का निर्वहन करें । निर्वाचन संबंधी सभी कार्य निर्धारित समय सीमा में पूर्ण किए जाएं, और आयोग द्वारा जारी पुस्तिका व निर्देश सभी अधिकारी पढ़ें और उसी अनुसार कार्य करें। बैठक में खंडवा कलेक्टर श्री अनूप कुमार सिंह, हरदा कलेक्टर श्री आदित्य सिंह, बैतूल के पुलिस अधीक्षक श्री निश्चल झरिया, हरदा एसपी श्री अभिनव चौकसे, खंडवा एसपी श्री मनोज राय, जिला पंचायत हरदा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री रोहित सिसोनिया और बैतूल के सहायक कलेक्टर श्री ऐश्वर्य वर्मा सहित तीनों जिलों के प्रमुख अधिकारी मौजूद थे। बैठक में कलेक्टर श्री आदित्य सिंह ने हरदा जिले में, और कलेक्टर खंडवा ने हरसूद विधानसभा क्षेत्र में लोकसभा निर्वाचन के लिए अब तक की गई तैयारियों के संबंध में पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से जानकारी दी । तीनों जिलों के पुलिस अधीक्षकों ने लोकसभा निर्वाचन को ध्यान में रखते हुए संसदीय क्षेत्र बैतूल के अंतर्गत की गई प्रतिबंधात्मक कार्यवाही के संबंध में बताया।

रिटर्निंग अधिकारी श्री सूर्यवंशी ने बैठक में निर्देश दिए कि विधानसभा निर्वाचन - 2023 में जिन मतदान केंद्रों पर मतदान का प्रतिशत कम रहा था वहां मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिए मतदाता जागरूकता गतिविधियां अधिक से अधिक की जाएं, और मतदाताओं को आगामी 26 अप्रैल को मतदान के लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने सभी मतदान केंद्रों पर आयोग के दिशा निर्देश अनुसार मतदाताओं की सुविधा के लिए पेयजल, रैंप, शौचालय व मतदाताओं के बैठने के लिए शेड व कुर्सियों की व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए, और कहा कि निर्वाचन से जुड़े सभी अधिकारी कर्मचारियों को तीन-तीन बार प्रशिक्षण दिया जाए और मतदान अधिकारियों को यह जरूर बताया जाए कि निर्वाचन के दौरान क्या क्या करना है और क्या क्या नहीं करना है। रिटर्निंग अधिकारी श्री सूर्यवंशी ने तीनों जिलों के कंट्रोल रूम में आपसी समन्वय बनाकर कार्य करने के लिए भी कहा। कलेक्टर हरदा श्री सिंह ने बैठक में बताया कि हरदा जिले के दो विधानसभा क्षेत्र टिमरनी और हरदा में सीमावर्ती क्षेत्रों में कुल 6 स्थैतिक निगरानी दल और 6 उड़न दस्ते बनाए गए हैं। अन्य जिलों से हरदा जिले में आने वाले वाहनों की लगातार चेकिंग की जा रही है । उन्होंने बताया कि कम मतदान वाले मतदान केंद्रों में स्वीप गतिविधियों का लगातार आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि लोकसभा निर्वाचन के दौरान नेटवर्क विहीन शैडो एरिया में वायरलेस सेट 'वॉकी- टॉकी' और रनर्स के माध्यम से संदेशों का आदान-प्रदान किया जाएगा। पुलिस अधीक्षक हरदा श्री चौकसे ने बताया कि जिले में लोकसभा निर्वाचन शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न करने के उद्देश्य से अपराधिक तत्वों के विरुद्ध कार्यवाही लगातार जारी है।

दैनिक सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

इंदौर, सोमवार 25 मार्च , 2024



# लोकसभा निर्वाचन-2024 : सी-विजिल एप से हो रहा शिकायतों का त्वरित निराकरण

इंदौर। चुनावी संबंधी शिकायतों के त्वरित निराकरण में सी-विजिल एप बेहद मददगार हो रहा है। आदर्श चुनाव आचरण संहिता लागू होते ही सी-विजिल एप पर शिकायतें प्राप्त होने लगी हैं। प्रदेश के सभी जिलों से इस एप के माध्यम से 22 मार्च तक कुल 173 शिकायतें प्राप्त हो चुकीं हैं। इन सभी शिकायतों का त्वरित निराकरण कर दिया गया है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने प्रदेश के नागरिकों से अनुरोध किया है कि यदि वे निर्वाचन में आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन से जुड़ी किसी भी प्रकार की सीधी शिकायत करना चाहते हैं, तो वे सी-विजिल एप के माध्यम से कर सकते हैं। इसके लिए संबंधित नागरिक को गूगल प्ले स्टोर पर जाकर सी-विजिल एप डाउनलोड करना होगा। इसके लिए नागरिक को ऐसी किसी भी घटना की जानकारी होने पर फोटो या वीडियो सी-विजिल एप पर अपलोड करना होगा। शिकायत मिलने पर अगले 100 मिनट के भीतर कार्यवाही की जाएगी। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा आदर्श चुनाव आचरण संहिता के उल्लंघन वाली शिकायतों के निवारण के लिए सी-विजिल एप तैयार किया गया है। इस एप के जरिए कोई भी नागरिक राजनैतिक दलों या प्रत्याशियों द्वारा मतदाताओं को लुभाने के लिए किसी भी तरह से धन, सामग्री, कपड़े, जेवरात आदि का वितरण करने, मतदाताओं को उनके पक्ष में मतदान करने के लिए धमकाने, मतदाताओं को स्वयं के वाहन से परिवहन करने, किसी भवन स्वामी की अनुमति के बिना उसके भवन या दीवारों पर प्रचार सामग्री लगाने या दीवार पर विज्ञापन लिखवाने सहित अन्य प्रकार की शिकायत कर सकता है।

# होली के साथ रांगोली और मेहँदी के रंग में रंगा मतदान का संदेश

इंदौर। इंदौर ज़िले में मतदान के प्रति जनजागरूकता के लिए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष सिंह के निर्देशन में अनेक गतिविधियों का लगातार आयोजन हो रहा है। इसी के अंतर्गत महिलाएं सामुहिक रूप से कहीं रांगोली तो कहीं मेंहदी बनाकर एक-दूसरे को मतदान का संदेश दे रही है। पूरा जिला होली के साथ रांगोली और मेंहदी के रंग में रंगा हुआ है। ग्रामीण क्षेत्र में व्यापक गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। पिछले दिनों जिले के सांवेर क्षेत्र के ग्राम खजुरिया में महिलाओं की सभा और शपथ का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

# चुनाव कार्यों के लिए वाहनों का अधिग्रहण शुरू

● जल्द ही बड़ी संख्या में कारें और बसें भी अधिग्रहित की जाएंगी

इंदौर। लोकसभा चुनावों की घोषणा के साथ ही इंदौर जिले में भी इसकी तैयारियां आरंभ हो गई है। चुनाव कार्यों के लिए वाहनों की अधिग्रहण भी शुरू हो गया है। जिला प्रशासन ने परिवहन विभाग से सेक्टर ऑफिसर्स के लिए 32 कार मांगी थीं, जिन्हें परिवहन विभाग ने अधिग्रहित करते हुए प्रशासन को सौंपी है। जल्द ही बड़ी संख्या में कारें और बसें भी अधिग्रहित की जाएंगी।

चुनाव की तैयारियों के लिए अधिकारियों को विशेष जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इसके लिए कई अलग टीमें भी बनाई गई हैं। इनके कामों के लिए इन्हें वाहन व्यवस्था चुनाव आयोग द्वारा ही की जाती है। जिसकी जिम्मेदारी जिला प्रशासन को सौंपी जाती है। इसके तहत पिछले दिनों परिवहन विभाग से 32 कारें मांगी गई थीं, जिन्हें विभाग ने ट्रेवल्स संचालकों से अधिग्रहित किया है। ये वाहन ड्राइवर्स के साथ देने होते हैं और इनके ईंधन का खर्च प्रशासन उठाता है। बाद में जितने दिनों के लिए वाहनों का अधिगृहण होता है उसका सरकारी दर से किराया भी चुकाया जाता है।

परिवहन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि विधानसभा चुनावों की ही तरह लोकसभा चुनावों में भी पर्यवेक्षकों से लेकर चुनाव दल और सुरक्षा बलों के लिए वाहनों की व्यवस्था करना होगी। विधानसभा चुनावों में 400 कारें और 700 बसें अधिग्रहित की गई थीं। इसके साथ ही चुनाव सामग्री भेजने के लिए 20 ट्रक और 30 मैजिक जैसे वाहन लिए गए थे। इस तरह कुल 1150 वाहनों का अधिग्रहण किया गया था। लोकसभा चुनाव के लिए भी लगभग इतने ही वाहनों की मांग हो सकती है। इसके लिए अभी से ट्रेवल्स और बस संचालकों को जानकारी दी जा रही है।

# राऊ क्षेत्र में अग्नि शमन यंत्रो, सुरक्षा उपकरणों एवं सुरक्षा के लिए विभिन्न संस्थानों की जांच

## जंच में कमियां पायी जाने पर एक होटल की बुकिंग पर लगाई गई रोक

इंदौर। कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देशन में गठित टीमों द्वारा भवनों और संस्थानों में अग्नि सुरक्षा प्रबंधों की जॉच की जा रही है। यह जॉच संबंधित क्षेत्र के एसडीएम के मार्गदर्शन में हो रही है। इस तारतम्य में राऊ एसडीएम विनोद राठौड़ , तहसीलदार नारायण नांदेडा एवं नगर निगम के बिल्डिंग ऑफिसर द्वारा अग्नि शमन यंत्रो, सुरक्षा उपकरणों एवं फायर सेफ्टी की सुरक्षा के लिए विभिन्न संस्थानों की जांच की गई।

कल्याण मॉल रेती मंडी चौराहा इंदौर की जाँच की गई। मापदंड अनुसार सभी उपकरण और उनका प्रमाणन पाया गया। इस संबंध में मौके पर जॉच कर उपकरण चलवाये गए। सभी उपकरण अद्यतन एवं कार्यरत है।

## होटल सेंसेशन रेती मंडी चौराहा राऊ में लगाई बुकिंग पर रोक

फायर सुरक्षा के संबंध में होटल सेंसेशन रेती मंडी चौराहा राऊ की जंच की गई जिसमें पाया गया कि होटल में फायर सुरक्षा उपकरण के तहत मात्र 2 फायर एक्सटिंगसुर थे वो भी आउटडेटेड होकर कार्य नही कर रहे थे। होटल में आग बुझाने के लिए कोई हाईड्रेंट सिस्टम नही पाया गया। होटल द्वारा पेंट हाउस भी बिना अनुमति के बना रखा है। होटल द्वारा पूरा एमओएस कवर कर रखा है, पार्किंग की व्यवस्था भी नही है। होटल के पास ऑक्यूपेंसी सर्टिफिकेट और सीसी सर्टिफिकेट नही था। फायर एनओसी नही थी। इस कारण होटल में बुकिंग पर रोक लगाई गयी। इस होटल में 07 दिन का समय अग्नि सुरक्षा प्रबंध के लिए दिया गया साथ ही अगले 7 दिवस में अवैध निर्माण हटाने के निर्देश दिये गये।

# प्रचार सामग्री में प्रकाशक, मुद्रक के नाम-पते सहित प्रिन्ट लाईन होना जरूरी

इंदौर। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा निर्वाचन-2024 की घोषणा के साथ ही आदर्श आचार संहिता प्रभावशील हो गई है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष सिंह सभी से आदर्श आचार संहिता के पालन का आग्रह किया है। उन्होंने निर्देश दिये है कि प्रचार सामग्री और प्रचार साहित्य में प्रिन्ट लाईन जरूर हो। इसमें प्रकाशक, मुद्रक का नाम-पता और संख्या अनिवार्य रूप से होना चाहिए। ऐसा नही करने वालों के विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी।

जिले की राजस्व सीमाओं के भीतर समस्त प्रिंटिंग प्रेस ऑफसेट, पब्लिशर्स इत्यादि मुद्रकों, प्रकाशकों को लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 127- क के तहत निर्वाचन पर्चा, पोस्टरों, पम्पलेटों के मुद्रण के लिए मुद्रक, प्रकाशकों को प्रतिबंधित करते हुए निर्देशित किया गया है कि वे कोई भी ऐसी निर्वाचन पुस्तिका या पोस्टर अथवा निर्वाचन सामग्री प्रकाशित, मुद्रित नहीं करेगा जिसके मुख्य पृष्ठ पर मुद्रक और प्रकाशक के नाम और पते न हो एवं न ही मुद्रित करने के लिए प्रेरित करेगा एवं प्रसारित करेगा। आचार संहिता के तहत कोई भी व्यक्ति ऐसी निर्वाचन पुस्तिका या पोस्टर अथवा निर्वाचन सामग्री प्रकाशित, मुद्रित नहीं करेंगे जिसमें प्रिन्ट लाईन नहीं हो। मुद्रित की जाने वाली अनेकानेक प्रतियों की प्रिंट लाईन में मुद्रक और प्रकाशक के नाम एवं पते स्पष्टतः दर्शाये जाएं तथा संख्या अंकित करना होगी। पर्चा, पोस्टरों, पम्पलेटों के मुद्रित की गई सामग्री की चार प्रतियां और प्रकाशक के घोषणा पत्र अनुबंध ÷अ÷ की एक प्रति मुद्रण के तीन दिवस के अन्दर अनुबंध ÷ब÷ के साथ प्रस्तुत करना होगा। मुद्रित की गई सामग्री की चार प्रतियां तथा घोषणा पत्र के साथ आवश्यक विवरण जिस पर मुद्रक और प्रकाशक के हस्ताक्षर के साथ रबर मुद्रा लगानी होगी। यदि मुद्रक, प्रकाशक की प्रेस की जानकारी मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को प्रस्तुत करेगा तथा जिले से मुद्रित कराए जाने की स्थिति में सम्बन्धित जिला मजिस्ट्रेट को प्रस्तुत करेगा एवं सूचना आर.ओ. कार्यालय को देनी होगी। निर्देशों का उल्लंघन करने की दशा में सम्बन्धित मुद्रक, प्रकाशक लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 127 - क के अन्तर्गत कार्यवाही की जाएगी।

# होली पर सुरक्षा की दृष्टि से करोड़ से संवारे गये राजबाड़ा और गोपाल मंदिर तिरपाल से ढांके गए

इंदौर। करोड़ से संवारे गये राजबाड़ा और गोपाल मंदिर को अब होली पर सुरक्षा की दृष्टि से बड़ी तिरपाल से ढांका गया है, ताकि रंगों से उसके हिस्से खराब न हो। दूसरी ओर सराफा से लेकर प्रमुख बाजारों और शोरूम के आसपास भी तिरपाल लगाने का काम शुरू हो गया है। गेर मार्ग पर तमाम व्यवस्थाएं ठीक करने के लिए निगम का अमला डंटा है और सडक़ों के गड्ढे दुरुस्त किए जा रहे हैं, ताकि गेर के दौरान लोगों को परेशानी न आए। दो दिन पहले निगम कमिश्नर ने अफसरों को इस प्रकार के निर्देश दिए थे। गेर मार्ग के अंतर्गत आने वाली दुकानों और शोरूम की सुरक्षा के लिए वहां भी तिरपाल लगाने का काम चल रहा है। सराफा, गोराकुंड, मल्हारगंज, राजबाड़ा के आसपास के हिस्सों में सभी प्रमुख और बड़ी दुकानों पर तिरपाल टांग दी गई है। पिछले साल राजबाड़ा और गोपाल मंदिर को करोड़ों की राशि खर्च कर संवारा गया था। वहां रंगों से किसी प्रकार का नुकसान न हो, इसके लिए पुरातत्व विभाग के अधिकारियों ने पीली बड़ी तिरपाल ढंककर सुरक्षा के जतन किए हैं। पूरे परिसर में तिरपाल लगाने के लिए कीलें की बजाए हुक का इस्तेमाल किया गया है, क्योंकि पिछ्ली बार कीलें लगाई जाने केकारण लकडिय़ों को नुकसान पहुंचा था। अधिकारियों के मुताबिक यह सावधानी धूलेंडी पर्व से लेकर रंगपंमची तक जारी रहेगी।

# आयुक्त द्वारा रामसर साइट सिरपुर तालाब, तालाब के पीछे बने उद्यान इंटरपीटशन सेंटर का किया निरीक्षण

● उद्यान की सुरक्षा के लिए सुरक्षा गार्ड रखने के निर्देश ● निर्माणाधीन एसटीपी प्लांट का कार्य बारिश के पूर्व पूर्ण करने के निर्देश ● तालाब क्षेत्र के कैचमेंट एवं चैनल की सफाई करने के दिए निर्देश

इंदौर। आयुक्त शिवम वर्मा द्वारा रामसर साइट सिरपुर तालाब का अवलोकन किया गया। इस दौरान स्मार्ट सिटी सीईओ दिव्यांक सिंह, अपर आयुक्त अभिलाष मिश्रा, अधीक्षण यंत्री सुनील गुप्ता, महेश शर्मा, मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर अखिलेश उपाध्याय एवं अन्य उपस्थित थे। आयुक्त शिवम वर्मा द्वारा इंदौर की रामसर साइट सिरपुर तालाब का अवलोकन किया गया, अपर आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने बताया कि देश की चुनिंदा रामसर साइट मे से इंदौर में सिरपुर तालाब को वेटलैंड साइड के तहत विकास किया जा रहा है ?। यहां पर किस प्रकार से विकास कार्य किया जा रहे हैं इस संबंध में भी विस्तार से जानकारी दी गई।

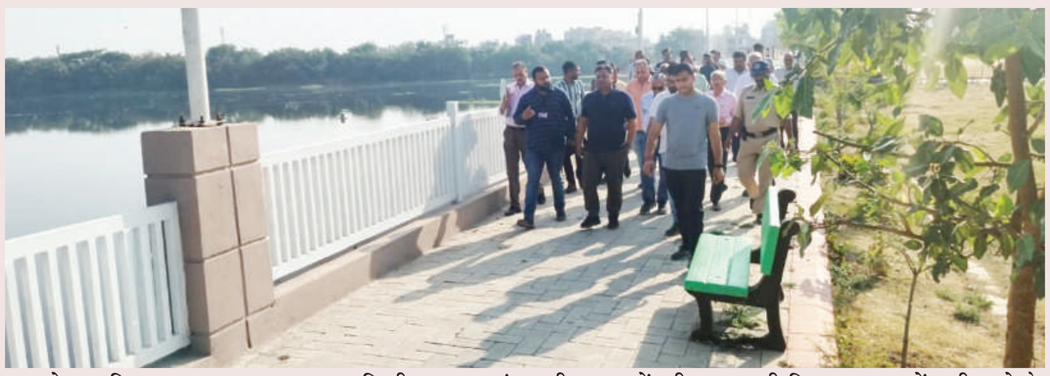

इसके पश्चात आयुक्त द्वारा रामसर साइट सिरपुर पर बटरफ्लाई गार्डन, नॉलेज गार्डन एवं अन्य विकास कार्यों का अवलोकन किया गया। आयुक्त द्वारा सिरपुर तालाब में आसपास के क्षेत्र से किसी प्रकार का गंदा पानी तालाब में नही आए इस संबंध में निर्देश दिए गए। इसके साथ ही सिरपुर तालाब में पानी आने के लिए विभिन्न चैनलों की सफाई करने के संबंध में भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

सिरपुर तालाब के पीछे निर्माण किए गए उद्यान का निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान उद्यान की सुरक्षा के लिए सुरक्षा गार्ड नियुक्त करने के निर्देश दिए गए। सिरपुर तालाब के पास इंटरपीटशन सेंटर का निरीक्षण किया गया तथा कार्य की गति बढ़ाने के निर्देश दिए गए इसके साथ ही सीवर पानी के ट्रीटमेंट हेतु निर्माणाधीन एसटीपी प्लांट का भी निरीक्षण किया गया, एसटीपी प्लांट के लेवल तथा वर्षा ऋृतु के पूर्व कार्य पूर्ण करने की लिए भी दिशा निर्देश दिए गए।

# इंदौर में फागुन में बढ़ने लगी गर्मी

## दिन का तापमान 37 डिग्री के करीब; दोपहर बाद बादल छाये, तापमान लुढ़का

इंदौर (नप्र)। इंदौर में अब गर्मी ने असर दिखाना शुरू कर दिया है। दिन का तापमान 37 डिग्री के करीब पहुंच गया। रात का तापमान भी करीब 22 डिग्री रहा। इस फागुन माह में यह पहला मौका है जब दिन और रात का तापमान अब तक का सबसे ज्यादा है। रविवार को दोपहर बाद बादल छा गए। इस दौरान तापमान 34 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम वैज्ञानिकों ने 27 मार्च के बाद गर्मी और बढ़ने के आसार जताए हैं। शुक्रवार को दिन का तापमान 36.3 (सामान्य) डिग्री और रात का तापमान 19 (+1) डिग्री सेल्सियस था।

शनिवार को इसमें और इजाफा हुआ। इस दौरान दिन का तापमान 36.8 (+1) डिग्री रहा। रात के तापमान में भी 3 डिग्री का उछाल आया है। बीती रात तापमान 21.9 (+4) डिग्री सेल्सियस रहा। रविवार सुबह से ही मौसम पूरी तरह साफ है। धूप चढ़ने के साथ

भी गर्मी का खासा अहसास होने लगा है।सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया अभी कोई सिस्टम एक्टिव नहीं है। इस वजह से गर्मी का असर बढ़ रहा है। 27 से 31 मार्च के बीच तापमान 38 डिग्री के करीब जा सकता है।

# आईडीए के वायरमैन को थाने के पास लूटा

इंदौर (नप्र)। इंदौर के संयोगितागंज थाने के पास आईडीए के वायरमैन को लूट लिया। वे होली पर अपनी बेटी के लिए पिचकारी लेने रुके थे। इस दौरान बदमाश उन्हें कट मारने का बहना बनाकर बहस करने लगे। पुलिस को इस मामले में आरोपियों के फुटेज मिले हैं। इस आधार पर उनकी तलाश की जा रही है।संयोगितागंज पुलिस के मुताबिक सुनील मेहरा निवासी नॉर्थ मूसाखेड़ी की शिकायत पर बाइक सवार दो बदमाशों के खिलाफ लूट का मामला दर्ज किया गया है। सुनील ने बताया कि वह बाइक से बेटी के लिये पिचकारी लेने छावनी चौराहे पर आए।यहां से लौट रहे थे तभी थाने से के सामने उन्हें बाइक सवार दो बदमाशों ने रोक लिया। कहने लगे कि तुमने हमारी बहन को कट मारा है। इसी बात पर बहस करने लगे। दबाव बनाते हुए कहने लगे कि यहां आसपास किसी को आवाज लगाने और बुलाने की कोशिश मत करना। इसके बाद आरोपियों ने जेब की तलाशी ली। जिसमें गाड़ी का रजिस्ट्रेशन कार्ड ओर जेब में रखे करीब 4 हजार 5 सौ रुपए निकालकर ले गए।

**मधुमिलन चौराहे की तरफ से भागे-** पुलिस के मुताबिक बाइक सवार दोनों बदमाशों के फुटेज मिले हैं। वह अपनी बाइक से मधुमिलन रोड की तरफ भागे हैं।

एक आरोपी चश्मा पहने हुए है। हालाकि पुलिस ने इस मामले में एमआईजी इलाके में रहने वाले ललित को पकड़ा है।

# इंदौर में 9 साल की बच्ची से दरिंदगी

## सौतेले भाई-पिता करते थे रेप, सगा मामा भी शामिल, बंदूक दिखाकर डराता था सौतेला पिता

इंदौर (नप्र)। इंदौर के बाणगंगा इलाके में 9 साल की बच्ची से गैंगरेप का मामला सामने आया है। उसे सौतेला भाई और सौतेला पिता ही अपना शिकार बनाते थे। दो माह चली काउंसलिंग में बच्ची ने यह सब राज उगले हैं। बाणगंगा पुलिस ने शिकायत के बाद आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में बाल कल्याण समिति ने शेल्टर होम में बच्ची की काउंसलिंग की थी।दो माह पहले सबसे पहले बच्ची की नानी उसे पुलिस के पास लेकर पहुंची। लेकिन बच्ची पुलिस को खुलकर कुछ बता नहीं सकी। हालांकि पुलिस को यह यकीन हो गया था कि बच्ची के साथ कुछ गलत हुआ है। इसलिए उन्होंने बाल

कल्याण समिति से काउंसलिंग करने का कहा।इंदौर के शेल्टर होम में बाल कल्याण समिति अध्यक्ष पल्लवी पोरवाल और सदस्य संगीता चौधरी ने बच्ची की काउंसलिंग की। वह शेल्टर होम में उदास रहती थी। दोनों पदाधिकारियों ने बताया कि वह सदमे में थी। इसलिए उसे बाहर लाने में ही हमें काफी समय लग गया।दरअसल बच्ची की मां ने तीन शादियां की। बच्ची पहले वाले पति से है। बच्ची की मां ने उससे तलाक ले लिया। इसके बाद दूसरी शादी की लेकिन उससे तलाक लिए बगैर तीसरे युवक के साथ रहने लगी। बच्ची ने काउंसलिंग में बताया कि उसके साथ दोनों सौतेले पिता गंदी हरकत करते हैं। इतना ही एक सौतेले पिता के नाबालिग बेटे ने भी उससे रेप किया। बच्ची ने रेप करने वालों में उसके मामा का नाम भी बताया है। पुलिस ने बच्ची की काउंसलिंग पूरी होने के बाद सौतेले पिता, सगे भाई और मामा पर रेप, गैंग रेप, पॉक्सो एक्ट और बार-बार रेप सहित कई अन्य गंभीर धाराओं के तहत अलग-अलग केस दर्ज किया गया है।

### मोबाइल में बंदूक दिखाकर धमकाते थे

काउंसलिंग में बच्ची ने यह भी बताया कि तीसरा पिता उसे बंदूक के फोटो दिखाता था। बात नहीं मानने पर उसे मार डालने की धमकी देता था। बाल कल्याण समिति ने बच्ची की पूरी रिपोर्ट बनाकर महिला बाल विकास विभाग, इंदौर कलेक्टर और बाल संरक्षण अधिकारी को भेजी है। इस मामले में पुलिस ने उसके द्वारा बताए गए आरोपियों की शिनाख्त भी कराई है।

### बच्ची ने नानी को सबसे पहले बताई पूरी बात

बच्ची की मां ने पहले पति से तलाक लेने के बाद दूसरी शादी कर ली। तब उसके सौतेले पिता और उसके नाबालिग बेटे दोनों ने बच्ची से कई बार रेप किया। कुछ दिन बाद मां दूसरे पति को छोड़कर तीसरे के साथ रहने चली गई। यहां तीसरे पति ने भी बच्ची से दरिंदगी की। बंदूक से धमकाया। परेशान होकर बच्ची अपनी नानी के पास आ गई। यहां उसने नानी को पूरी हकीकत बताई। नानी उसे लेकर पुलिस के पास पहुंची तो पूरे मामले का खुलासा हुआ। पुलिस बच्ची की मां से भी पूछताछ करने की तैयारी में है।

# नाबालिग का निकाह डबल उम्र के युवक से

## काजी सहित 6 पर केस; पति पर रेप और पॉक्सो एक्ट में एफआईआर

इंदौर (नप्र)। इंदौर के खजराना में 15 साल की नाबालिग का निकाह 32 साल के युवक से कराने का मामला सामने आया है। बाल कल्याण समिति जिला की अध्यक्ष पल्लवी पोरवाल और सदस्य संगीता चौधरी ने नाबालिक की काउसलिंग कर काजी, पति, मां सहित 6 लोगों पर केस दर्ज कराया है। आरोपियों ने नाबालिग की उम्र पता होने के बाद भी दोगुना उम्र के युवक से शादी करवा दी।खजराना पुलिस ने बाल विवाह उडनदस्ता प्रभारी महेन्द्र पाठक की शिकायत पर ये शिकायत दर्ज की है। महेन्द्र पाठक ने बताया कि लड़की धार के पास की रहने वाली है। यहां जनवरी 2024 को उम्र में 17 साल बड़े युवक से उसका निकाह कराया गया। शादी में काजी, लड़की मां और रिश्तेदार शादी में शामिल हुए थे।

# इंदौर में लगातार दूसरे दिन हत्या

## बाणगंगा में मुंहबोली बहन के घर पहुंचे युवक को मारा, थाने में सरेंडर

इंदौर (नप्र)। इंदौर के बाणगंगा में एक हत्या का मामला सामने आया है। यहां एक युवक को मौत के घाट उतार दिया। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची है।बाणगंगा पुलिस के मुताबिक घटना भागीरथपुरा इलाके की है। यहां राफेली में मुंहबोली बहन के यहां आए युवक को मौत के घाट उतार दिया। जानकारी के मुताबिक घटना रविवार सुबह की बताई जा रही है। यहां धर्मेन्द्र यादव अपनी मुंहबोली बहन के घर होली मनाने आया था। इसी दौरान संजय उर्फ संजू उर्फ एंथोनी बुंदेला से उसकी कहासुनी हुई। आरोपी ने हथियार से धर्मेन्द्र पर हमला कर दिया। इससे धर्मेंद्र की मौत हो गई।

# संपादकीय | राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से भ्रम की स्थिति...

आखिरकार प्रवर्तन निदेशालय ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार कर लिया। कथित शराब घोटाला मामले में नौ बार समन भेजने के बाद भी वे पूछताछ के लिए नहीं गए। वे प्रवर्तन निदेशालय के समन को अवैध और राजनीति से प्रेरित बताते रहे। फिर उन्होंने कहा कि अगर ईडी अदालत का आदेश ले आए, तो वे पूछताछ के लिए हाजिर हो जाएंगे।

जब उन्हें लगने लगा कि जांच एजंसियां उन्हें गिरफ्तार कर सकती हैं, तो उन्होंने दिल्ली उच्च न्यायालय में गुहार लगाई कि आम चुनाव तक उनके खिलाफ कार्रवाई पर रोक लगाई जाए। इस पर अदालत ने कोई फैसला नहीं दिया। इस मौके का फायदा उठाते हुए प्रवर्तन निदेशालय ने उनके आवास पर छापा मारा और कुछ देर बातचीत करने के बाद उन्हें अपने दफ्तर ले गई, फिर गिरफ्तार कर लिया।

हालांकि अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी की आशंका उसी समय से जताई जा रही थी, जब उन्हें चौथा समन भेजा गया था। खुद आम आदमी पार्टी के नेता और कार्यकर्ता भी सार्वजनिक मंचों से कहते फिर रहे थे कि केंद्र सरकार अरविंद केजरीवाल को कभी भी गिरफ्तार करवा सकती है। इसी हफ्ते सीबीआइ ने जब कहा कि शराब घोटाला मामले में अभी कुछ और बड़े लोग गिरफ्तार होंगे, तब पक्का हो गया कि केजरीवाल जल्दी ही सलाखों के पीछे होंगे।

कथित शराब घोटाले को लेकर पिछले एक-डेढ़ वर्ष से खूब सियासत भी हुई है। आम आदमी पार्टी की सरकार पर आरोप है कि उसने गलत तरीके से नई आबकारी नीति बनाई और भारी रिश्वत लेकर लोगों को शराब के ठेके बांट दिए। इस आरोप में आम आदमी पार्टी के कई नेता और दिल्ली सरकार के अधिकारी गिरफ्तार हो चुके हैं।

भारत राष्ट्र समिति की नेता और केसीआर की बेटी के कविता को भी इस घोटाले में संलिप्तता के आरोप में पिछले हफ्ते गिरफ्तार कर लिया गया। प्रवर्तन निदेशालय का कहना है कि इस पूरे घोटाले के मुख्य षड्यंत्रकारी केजरीवाल हैं। इस तरह उनकी मुश्किलें बढ़ गई हैं। इस मामले के कानूनी पहलू तो अदालत में सुलझेंगे, पर केजरीवाल पर सबसे बड़ा सवाल अपनी जगह बना हुआ है कि आखिर वे इतने समय तक क्यों जांच एजंसियों के सवालों से बचने का प्रयास करते रहे।

जैसा कि वे दावा करते न थकते थे कि आम आदमी पार्टी कट्टर ईमानदार पार्टी है और उसके पास कुछ भी छिपाने को नहीं है, तो फिर उन्हें कथित शराब घोटाले में सफाई से क्यों बचते फिरना चाहिए था। क्या वे इस बात से अनजान थे कि प्रवर्तन निदेशालय के समन की अवहेलना से उनके खिलाफ मुकदमा बन सकता है।

फिर यह सवाल भी लोगों के जेहन में बना हुआ है कि जब केजरीवाल सचमुच दोषी हैं, उन्होंने ही शराब घोटाले की साजिश रची थी तो प्रवर्तन निदेशालय ने उनकी गिरफ्तारी में इतना समय क्यों लगाया। तीन समन देने के बाद ही उसे उन्हें गिरफ्तार करने का अधिकार था। इसी समय को उसने क्यों चुना, जब लोकसभा चुनाव की तारीखें घोषित हो चुकी हैं।

इससे आम आदमी पार्टी का यह तर्क पुख्ता होता जान पड़ता है कि जांच एजंसियों ने केंद्र के इशारे पर केजरीवाल को चुनाव प्रचार से दूर रखने के मकसद से ऐसा किया। मगर इन राजनीतिक आरोपों-प्रत्यारोपों और ईडी की कार्रवाई के बाद भी लोगों के मन में यह भ्रम की स्थिति बनी हुई है कि क्या वास्तव में शराब घोटाला हुआ है और दिल्ली सरकार की उसमें भूमिका है भी या नहीं।

## सोशल मीडिया से...

फैक्ट-चेक यूनिट को लेकर हमारा प्रस्ताव केंद्र के काम से संबंधित फैक्ट्स और आंकड़ों तक ही सीमित था। दुर्भाग्य से सुप्रीम कोर्ट ने इस पर रोक लगा दी। हालांकि, हम कोर्ट के आदेश का सम्मान करते हैं।

**अश्विनी वैष्णव,** केंद्रीय आईटी मिनिस्टर

झूठ बोलने वाले, बेईमानी करने वाले और चालाकी करने वाले बहुत सारे दल के लोग हैं। आप सभी को भड़काते रहते हैं। लेकिन जिस प्रकार से मोदी जी के नेतृत्व में देश आगे बढ़ रहा है, जिस प्रकार से प्रगति चल रही है, दुनिया की कोई ताकत फिर एक बार मोदी सरकार बनने से नहीं रोक सकती।

**डॉ. मोहन यादव**, मुख्यमंत्री मप्र

अरविंद केजरीवाल ने ईडी के समन का जवाब न देकर अपनी गिरफ्तारी को निमंत्रण दिया। ये राजनीतिक हमदर्दी जुटाने की उनकी साजिश हो सकती है। जब कोई इंसान लगातार 9 समन की उपेक्षा करेगा तो यह सीधे तौर पर अरेस्ट को निमंत्रण दे रहा है। अगर केजरीवाल ने शुरुआती समन का जवाब दिया होता तो शायद उनकी गिरफ्तारी न होती।

**हिमंत बिस्वा सरमा,** मुख्यमंत्री असम

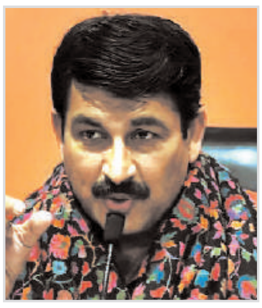

अरविंद केजरीवाल को केवल इस बात की चिंता है कि वह कैसे जल्दी से जल्दी राजमहल में रहना शुरू कर सकते हैं। सुनीता केजरीवाल ने कल सीएम की कुर्सी पर बैठकर इंटरव्यू दिया, उन्हें भी शर्म नहीं आई।

**मनोज तिवारी,** भाजपा नेता

## आज का कार्टून

# लोकसभा चुनाव में बढ़ी पश्चिम बंगाल की अहमियत

बीजेपी की चुनौती को ध्यान में रखते हुए पार्टी ने पिछली बार जीतने वाले आठ सांसदों को टिकट नहीं दिया है. इसके अलावा बहरमपुर में कांग्रेस का गढ़ समझी जाने वाली सीट पर पांच बार के विजेता प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अधीर चौधरी के खिलाफ हरफनमौला क्रिकेटर यूसुफ पठान को मैदान में उतार कर सबको चौंका दिया. 42 लोगों की सूची में 26 चेहरे नए हैं. उम्मीदवारों के एकतरफा एलान से ममता ने यह भी साफ कर दिया कि यहां इंडिया गठबंधन नहीं बल्कि तृणमूल कांग्रेस ही बीजेपी से सीधी टक्कर लेगी. वो बीती जनवरी से ही यह बात कहती रही थी. तृणमूल कांग्रेस के एक नेता नाम नहीं छापने की शर्त पर बताते हैं कि लंबे इंतजार के बावजूद कांग्रेस की ओर से सीटों के बंटवारे पर सहमति नहीं बनने के कारण ही ममता ने एकला चलो की नीति अपनाने का फैसला किया. तृणमूल ने क्यों नहीं मिलाया बीजेपी से तालमेल प्रदेश कांग्रेस और लेफ्ट फ्रंट के नेता भी तृणमूल पर बीजेपी के साथ साठ-गांठ का आरोप लगाते हुए तालमेल के इच्छुक नहीं थे.

**डॉयचे वेले**

लोकसभा सीटों की तादाद के लिहाज से देश के तीसरे सबसे बड़े राज्य पश्चिम बंगाल की चुनावी अहमियत तो हमेशा रही है. लेकिन बदले हुए राजनीतिक हालात में इस बार यह कई गुनी बढ़ गई है.आने वाले लोकसभा चुनावों में ×म्39;चार सौ पार×म्39; के नारे के साथ मैदान में उतरी बीजेपी ने पश्चिम बंगाल की 42 में से 35 सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है. दूसरी ओर, सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने भी ज्यादा से ज्यादा सीटें जीतने के प्रयास में अबकी 26 नए चेहरों को मैदान में उतारा है. उधर, कांग्रेस और लेफ्ट फ्रंट के बीच सीटों पर तालमेल अब भी अधर में है. उत्तर प्रदेश और बिहार की तरह राज्य में भी सात चरणों में मतदान होगा. बीते लोकसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस को 22 और बीजेपी को 18 सीटें मिली थी. दो सीटें कांग्रेस के खाते में गई थी. बदलते सियासी समीकरण केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हाल के कोलकाता दौरे के दौरान पार्टी के लिए 35 सीटें जीतने का लक्ष्य तय किया था. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मार्च के पहले नौ दिनों के दौरान राज्य में चार जनसभाओं को संबोधित कर चुके हैं. इससे पार्टी के लिए बंगाल की अहमियत का पता चलता है. अपने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी करने में भी बीजेपी ने बाजी मारी थी. उसने चुनाव की तारीखों के ऐलान से पहले राज्य की 20 सीटों के लिए अपने उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी थी. हालांकि अगले दिन ही आसनसोल सीट के उम्मीदवार और भोजपुरी गायक पवन सिंह ने चुनाव नहीं लड़ने की घोषणा कर दी. इससे पार्टी को कुछ झटका लगा था. उसके बाद 10 मार्च को मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने कोलकाता के ब्रिगेड परेड मैदान में अपने तमाम 42 उम्मीदवारों की सूची न सिर्फ एक साथ जारी कर दी बल्कि अपने साथ इन उम्मीदवारों को मंच पर भी पेश किया. उनकी इस सूची में कई चौंकाने वाले नाम थे.

बीजेपी की चुनौती को ध्यान में रखते हुए पार्टी ने पिछली बार जीतने वाले आठ सांसदों को टिकट नहीं दिया है. इसके अलावा बहरमपुर में कांग्रेस का गढ़ समझी जाने वाली सीट पर पांच बार के विजेता प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अधीर चौधरी के खिलाफ हरफनमौला क्रिकेटर यूसुफ पठान को मैदान में उतार कर सबको चौंका दिया. 42 लोगों की सूची में 26 चेहरे नए हैं. उम्मीदवारों के एकतरफा एलान से ममता ने यह भी साफ कर दिया कि यहां इंडिया गठबंधन नहीं बल्कि तृणमूल कांग्रेस ही बीजेपी से सीधी टक्कर लेगी. वो बीती जनवरी से ही यह बात कहती रही थी. तृणमूल कांग्रेस के एक नेता नाम नहीं छापने की शर्त पर बताते हैं कि लंबे इंतजार के बावजूद कांग्रेस की ओर से सीटों के बंटवारे पर सहमति नहीं बनने के कारण ही ममता ने एकला चलो की नीति अपनाने का फैसला किया. तृणमूल ने क्यों नहीं मिलाया बीजेपी से तालमेल प्रदेश कांग्रेस और लेफ्ट फ्रंट के नेता भी तृणमूल पर बीजेपी के साथ साठ-गांठ का आरोप लगाते हुए तालमेल के इच्छुक नहीं थे. इधर, अब लेफ्ट और कांग्रेस के बीच सीटों के तालमेल पर बातचीत जरूर चल रही है. लेकिन पहले दौर के चुनाव के लिए अधिसूचना जारी हने के बावजूद अब तक तालमेल का एलान नहीं हो सका है. हालांकि वाममोर्चा ने भी 16 उम्मीदवारों की पहली सूची और कांग्रेस ने आठ उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है.

दरअसल, वाममोर्चा के घटक दलों के बीच सीटों पर सहमति नहीं बन सकी है. घटक दल अपनी पारंपरिक सीटें छोड़ने के लिए तैयार नहीं हैं. उन्होंने सीपीएम को चेतावनी दी है कि वह इस बात का फैसला कर ले कि उसे कांग्रेस के साथ रहना है घटक दलों के. इस उलझी हुई परिस्थिति के कारण तालमेल की बातचीत मुकम्म नहीं हो सकी है. राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि अबकी लोकसभा चुनाव में बीजेपी और तृणमूल के बीच कांटे की टक्कर में गंगा के मैदानी इलाकों के साथ ही जंगलमहल इलाका, उत्तर बंगाल और दक्षिण बंगाल का मतुआ बहुल इलाका अहम भूमिका निभाएगा. मतुआ वोटों को साधने के लिए ही बीजेपी ने चुनाव से ठीक पहले नागरिकता (संशोधन) कानून लागू करने का फैसला किया है. दक्षिण बंगाल के पांच जिलों में फैले गंगा के मैदानी इलाकों में लोकसभा की 16 सीटें हैं.

बीजेपी ने पिछली बार इनमें से महज तीन सीटें जीती थी. इन इलाकों में प्रतिष्ठान विरोधी लहर और पुराने नेताओं की छवि को ध्यान में रखते हुए तृणमूल कांग्रेस ने छह नए चेहरों को मैदान में उतारा है. पार्टी इस इलाके में काफी मजबूत है और विधानसभा चुनाव में उसका प्रदर्शन काफी बेहतर रहा था. क्या कहते हैं राजनीतिक विश्लेषक विश्लेषकों का कहना है कि उत्तर 24-परगना जिले में विभिन्न होटलों में पार्टी के मजबूत नेताओं की गिरफ्तारी ने तृणमूल की चिंता बढ़ा दी है. वहां संगठन संभालने वाले मंत्री ज्योतिप्रिय मल्लिक राशन घोटाले में जेल में हैं तो कोलकाता और हुगली जिले में चुनावी जिम्मा संभालने वाले पार्थ चटर्जी भी शिक्षक भर्ती घोटाले में हवालात में हैं. संदेशखाली की घटना और उस मामले में शाहजहां शेख समेत पार्टी के कई नेताओं की गिरफ्तारी भी पार्टी के लिए सिरदर्द बन गई है. संदेशखाली इलाका बशीरहाट लोकसभा क्षेत्र के तहत है. पार्टी ने इस सीट से पिछली बार जीतने वाली सांसद और अभिनेत्री नुसरत जहां को इस बार टिकट नहीं दिया है. संदेशखाली कांड के दौरान उनकी काफी किरकिरी हुई थी. इसी तरह बीरभूम और आसपास के जिलों में पार्टी के चुनाव अभियान की जिम्मेदारी उठाने वाले बाहुबली नेता अणुब्रत मंडल भी पशु तस्करी मामले में दिल्ली के तिहाड़ जेल में हैं. कहां है बीजेपी की पकड़ बीजेपी उत्तर बंगाल में मजबूत समझी जाती है. पिछली बार उसने इलाके की आठ में सात सीटें जीत ली थी. लेकिन इस बार उसे वहां भी अंतरकलह से जूझना पड़ रहा है. उसकी सबसे बड़ी चिंता दक्षिण बंगाल में पार्टी का संगठन कमजोर होना है. विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी के अलावा उसके पास कोई बड़ा चेहरा नहीं है. जंगलमहल इलाके में लोकसभा की आठ सीटें हैं. पिछली बार इनमें से बीजेपी को पांच और तृणमूल कांग्रेस को तीन सीटें मिली थी.

लेकिन तब मेदिनीपुर इलाके के धाकड़ नेता शुभेंदु अधिकारी तृणमूल में थे. उनके 2019 में बीजेपी में शामिल होने के बाद इलाके में सियासी समीकरण बदला है. बीजेपी ने कलकत्ता हाईकोर्ट के पूर्व जज अभिजीत गांगुली को पार्टी में शामिल कुछ हद तक भरपाई की कोशिश जरूर की है. दक्षिण बंगाल में बनगांव के अलावा नदिया जिले के दो सीटों--रानाघाट और कृष्णनगर में मतुआ वोटर निर्णायक हैं. उनको बीजेपी का समर्थक माना जाता है. जहां तक मुद्दों का सवाल है बीजेपी ने तृणमूल नेताओं के भ्रष्टाचार के अलावा संदेशखाली कांड के बहाने महिलाओं की बदहाली का अपना प्रमुख चुनावी मुद्दा बनाया है. इसके साथ ही वह नागरिकता कानून के फायदे गिनाते हुए इसके प्रचार में लगी है. पार्टी के चुनाव अभियान की शुरुआत प्रधानमंत्री की रैलियों से हो चुकी है. दूसरी ओर, तृणमूल कांग्रेस केंद्र सरकार पर केंद्रीय एजेंसियों के राजनीतिक दुरुपयोग के पुराने मुद्दे को ही उठा रही है. पार्टी ने बीजेपी पर संदेशखाली के मुद्दे पर सियासत करने का आरोप लगाया है. इसके साथ ही वह महिलाओं और आम लोगों के लिए शुरू की गई सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के भी प्रचार-प्रसार में जुटी है. ममता बनर्जी ने पार्टी की ब्रिगेड रैली के जरिए अपना चुनाव अभियान शुरू किया है. उधर, कांग्रेस और लेफ्ट फ्रंट ने तृणमूल कांग्रेस पर बीजेपी से गोपनीय तालमेल का आरोप लगाते हुए अपना चुनाव अभियान शुरू किया है. राजनीतिक विश्लेषक मईदुल इस्लाम कहते हैं, गंगा के मैदानी इलाके अपनी 16 सीटों के कारण काफी अहम हैं. यहां संगठन की मजबूती के बल पर तृणमूल कांग्रेस बीजेपी के मुकाबले आगे नजर आती है. उत्तर बंगाल में भी तृणमूल कांग्रेस ने अपने पैरों तले की खिसकती जमीन को बचाने के लिए आदिवासियों के लिए कई विकास योजनाएं शुरू की हैं. उनका क्या और कितना असर होगा, यह तो चुनाव के नतीजे से ही पता चलेगा.

# अनेक संगठनों ने याद किया अपने वैचारिक पुरखों को

इंदौर। शनिवार को अनेक जन संगठनों ने शहीद भवन में अपने प्रेरणा स्त्रोत, वैचारिक पुरखों को याद करके वर्तमान समय की चुनौतियों से निपटने का संकल्प लिया। प्रगतिशील लेखक संघ, अखिल भारतीय शांति एवं एकजुटता संगठन, भारतीय महिला संगठन, भारतीय जन नाट्य संघ, संदर्भ केंद्र, एटक, मेहनतकश और सीपीआई द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित कार्यक्रम में शहीद ए आज़म भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु, हेमू कलानी, डॉक्टर राम मनोहर लोहिया के योगदान को याद किया गया। प्रलेसं के राष्ट्रीय सचिव विनीत तिवारी ने आजादी के लिए चले संघर्ष में सोवियत संघ और लेनिन की भूमिका की जानकारी देते हुए बताया कि, उसी माहौल का असर था कि भगत सिंह अपने जीवन के अंतिम समय में भी लेनिन को ही पढ़ रहे थे। कम उम्र में भगत सिंह की राजनीतिक परिपक्वता दुर्लभ थी। उन्होंने 1925 में कानपुर में मजदूरों के शोषण एवं उनके आंदोलन को समझा, वहीं से भगत सिंह के जीवन में परिवर्तन आया। प्रलेसं इंदौर इकाई अध्यक्ष मंडल के सदस्य चुन्नीलाल वाधवानी ने हेमू कालानी की शहादत की जानकारी देते हुए बताया कि सिंध के अनेक नेताओं का हेमू पर दबाव था कि वह अंग्रेजों से वादा कर ले कि भविष्य में राजनीतिक गतिविधियों में भाग नहीं लेगा, तो उसे जेल से छुड़ाया जा सकता है। लेकिन हेमू ने इनकार कर दिया। अनेक यातनाएं सहकर भी हेमू कालानी ने कभी अपने साथियों के नाम नहीं बताएं। शहादत की हेमू को इतनी खुशी थी कि जेल में उसका वजन बढ़ गया। डॉक्टर राममनोहर लोहिया के बारे में वरिष्ठ पत्रकार एवं समाजवादी चिंतक रामस्वरूप मंत्री ने बताया कि भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के शहादत की तिथियां उनके जन्मदिन पर होने के चलते डॉक्टर लोहिया ने अपने जीवन काल में कभी अपना जन्म दिवस नहीं मनाया। 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में जब गांधी जी सहित सभी बड़े नेता गिरफ्तार हो गए तब डॉक्टर लोहिया ने आंदोलन का नेतृत्व किया था। वे अंग्रेजी भाषा के विरोधी नहीं थे, लेकिन इस भाषा के माध्यम से हो रहे शोषण के विरोधी थे। वामपंथी नेता प्रमोद नामदेव ने कहा कि अपने पुरखों के योगदान को याद रखना जरूरी है। सत्ता परिवर्तन से ही बदलाव नहीं आता है। चुनाव का उपयोग आंदोलनों को आगे बढ़ाए जाने के लिए किया जाना चाहिए। प्रमोद ने कहा कि सांप्रदायिकता जन आंदोलन से समाप्त होती है, किसान आंदोलन ने इसे प्रमाणित किया है। सामाजिक न्याय संगठन के राहुल निहोरे के अनुसार धर्म के नाम पर देशवासियों को आपस में लड़वाया जा रहा है। देश निरंतर धार्मिक कट्टरता की ओर धकेला जा रहा है, इसका खामियाजा देश की अर्थव्यवस्था के साथ मजदूर वर्ग को भी भुगतना पड़ रहा है। भ्रष्टाचार और अनैतिकता की इंतहा है कि गाय के नाम पर राजनीति करने वालों ने बीफ कंपनियों से चंदा लिया, यही नहीं एक तरफ जब पुलवामा में सैनिकों पर हमला हो रहा था इस दौरान शासक दल पाकिस्तानी कंपनियां से चंदा स्वीकार कर रहा था। कार्यक्रम के अध्यक्ष सोहनलाल शिंदे ने कहा कि देश को पुनः कुर्बानियां की जरूरत है इसके लिए तैयार रहना होगा। अजय लागू ने इलेक्ट्रॉल बांड के भ्रष्टाचार को जन-जन तक पहुंचाने की बात कही। कार्यक्रम का संचालन करते हुए सीपीआई के जिला सचिव रुद्रपाल यादव ने अपने पुरखों के विचारों को नौजवानों तक पहुंचाने की जरूर बताया। रंगकर्मी हेमंत कमल ने अपनी कविता ÷मंजिल यूं ही नहीं मिलती...÷ का वाचन किया।

आपकी शिकायत/समस्याओं में
आपका साथी
दैनिक सद्भावना पाती

शिकायत / पत्र संपादक के नाम
आप किसी समस्या, शिकायत, मुद्दे, जानकारी, गड़बड़ी, भ्रष्टाचार, नियम विरुद्ध काम आदि की शिकायत संपादक के नाम व्हाट्सएप पर भेज सकते हैं।
सर्वप्रथम आप अपने मोबाइल में सीएम हेल्पलाइन 181 एप डाउनलोड करें
और उस पर शिकायत उपरांत हमें उसका स्क्रीन शॉट और फोटो भेजें।
हम उस शिकायत को दैनिक सद्भावना पाती में प्रकाशित करेंगे और आपकी समस्या/शिकायत को शीघ्र खत्म करने का प्रयास करेंगे।
केवल व्हाट्स एप करें, कॉल न करें।
व्हाट्स ऐप न. 9685611304
ईमेल आईडी- reporter.spnews@gmail.com
नोट :- जनहित की समस्याओं पर उचित ईनाम भी दिया जाएगा।

दैनिक सद्भावना पाती
इंदौर, सोमवार 25 मार्च , 2024



# अमेरिका में आखिरी सांसें गिन रही है कपड़ा इंडस्ट्री, कभी देश की इकॉनमी में था जलवा

**नई दिल्ली, एजेंसी।** अमेरिका की इकॉनमी में किसी समय कॉटन इंडस्ट्री का बड़ा बोलबाला था। देश के दक्षिणी राज्यों की प्लांटेशन इकॉनमी में इसकी काफी अहमियत थी। लेकिन आज यह इंडस्ट्री बुरी स्थिति में है। अमेरिका में इस फसल की मांग लगातार तेजी से घट रही है। साल 1893 में शिकागो एक्सपो के समय देश में लगभग 900 अमेरिकी कपास मिलें चल रही थीं। 1900 के दशक में तो यह संख्या और भी बढ़ गई थी लेकिन नेशनल कॉटन काउंसिल की मानें तो आज देश में कॉटन मिल्स की संख्या करीब 100 रह गई है। देश में कपड़ा बनाने का काम लगभग बंद हो चुका है। ऐसे में कैलिफोर्निया से कैरोलिना तक लाखों एकड़ में बुवाई करने वाले कपास किसानों को अपनी अगली फसल के लिए देश में खरीदार मिलने की संभावना पहले से कहीं कम है।

ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के मुताबिक इस साल अमेरिका की कपड़ा मिलों में 139 वर्षों में सबसे कम कॉटन प्रोसेस होने की उम्मीद है। अमेरिकी किसान विदेशी खरीदारों के लिए कॉटन उगा रहे हैं लेकिन इसमें भी कई चुनौतियां हैं। अमेरिका से कॉटन का निर्यात लगातार तीसरे साल गिरावट की राह पर है। इससे ब्राजील टॉप पर पहुंचने के करीब पहुंच गया है। विदेशों में सस्ते उत्पादन से मिल रही प्रतिस्पर्धा और सिंथेटिक मटीरियल के बढ़ते इस्तेमाल से अमेरिका में कॉटन इंडस्ट्री की यह दुर्गति हुई है। 2016 में संसद ने 1930 टैरिफ अधिनियम में संशोधन किया था। इसमें आयातकों को 800 डॉलर से कम मूल्य के ग्राहकों के ऑर्डर को ड्यूटी-फ्री कर दिया गया।

### सबसे बड़ा एक्सपोर्टर

इसके साथ ही कोरोना-काल में ई-कॉमर्स में उछाल से शेन जैसी विदेशी फास्ट-फैशन कंपनियों ने अमेरिका में गहरी पैठ बना ली। साल 2022-23 अमेरिका दुनिया का सबसे बड़ा कॉटन एक्सपोर्टर रहा। इस दौरान अमेरिका ने 28 लाख मीट्रिक टन कॉटन का एक्सपोर्ट किया। ब्राजील 14 लाख मीट्रिक टन के साथ दूसरे नबर पर रहा। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया, ग्रीस, भारत, बेनिन, तुर्की, बुर्किना फासो, माली और कैमरून का नंबर रहा।

## संक्षिप्त समाचार

### अमेजन ने बढ़ाई फीस, महंगे होने जा रहे हैं सामान

**नई दिल्ली, एजेंसी।** ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन पर अब कई सामानों के दाम आने वाले समय में बढ़ सकते हैं। अमेजन के सेलर्स को झटका लगा है। दरअसल ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन ने शनिवार को कहा कि वह सेलर फीस में बदलाव कर रही है। कंपनी सात अप्रैल से अपने मार्केटप्लेस अमेजन डॉट इन पर विक्रेताओं के लिए अपने फीस स्ट्रक्चर को संशोधित कर रही है। इसमें रेफरल शुल्क, समापन शुल्क और वजन प्रबंधन शुल्क के अलावा अन्य सहायक शुल्क शामिल हैं। कंपनी ने अधिसूचना में कहा है कि रिवाइज्ड फीस स्ट्रक्चर कई कैटेगरीज पर लागू होगा। कंपनी के मुताबिक, ये संशोधन महंगाई, ब्याज दरों और ऑपरेटिंग कॉस्ट जैसे कई आर्थिक कारकों को ध्यान में रखकर किए गए हैं। ये उद्योग में प्रचलित शुल्क रुझानों के अनुरूप हैं। कंपनी ने एक बयान में कहा कि परिधान, चादर, कुशन कवर और बर्तन जैसी श्रेणियों में रेफरल शुल्क कम किया जाएगा, जबकि वैज्ञानिक आपूर्ति, चिमनी, लैपटॉप बैग तथा टायर जैसी श्रेणियों में इसे बढ़ाया जाएगा। इसके अलावा 1,000 रुपये से अधिक की औसत बिक्री मूल्य के लिए समापन शुल्क में तीन रुपये की बढ़ोतरी की गई है। परिवहन लागत में मुद्रास्फीति के अनुरूप वजन प्रबंधन शुल्क में दो रुपये की बढ़ोतरी की गई है। अमेजन इंडिया के एक प्रवक्ता ने कहा, हम मानते हैं कि विक्रेता शुल्क और प्रोत्साहन से एक मजबूत बाजार को बनाए रखने में मदद मिलेगी, जो देश में छोटे और मझोले व्यवसायों को डिजिटल बनाने और उन्हें मजबूत राष्ट्रीय ब्रांडों के रूप में विकसित होने में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि ये बदलाव अमेजन डॉट इन को भारत में बिक्री के लिए सबसे पसंदीदा बाजारों में से एक बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

### मारुति ने वापस मंगाई 16,000 गाड़ियां, कहीं आपकी गाड़ी भी तो नहीं है इनमें शामिल!

**नई दिल्ली, एजेंसी।** देश की सबसे बड़ी ऑटो कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया के ग्राहकों के लिए जरूरी खबर है। कंपनी ने 16,000 से अधिक गाड़ियों को वापस मंगाया है। मारुति सुजुकी इंडिया ने शुक्रवार को कहा कि वह ईंधन पंप मोटर के एक हिस्से में संभावित खराबी को ठीक करने के लिए बलेनो और वैगनआर मॉडलों की 16,000 से अधिक इकाइयों को वापस मंगा रही है। मारुति सुजुकी ने शेयर बाजारों को दी गई सूचना में कहा कि कंपनी 30 जुलाई, 2019 और एक नवंबर, 2019 के बीच बनाई गई बलेनो की 11,851 गाड़ियों और वैगनआर की 4,190 गाडियों को वापस मंगा रही है। कंपनी ने संदेह जताया है कि इन गाड़ियों के ईंधन पंप मोटर के एक हिस्से में संभावित खराबी है। इससे दुर्लभ मामले में इंजन रुक सकता है या इंजन शुरू होने में समस्या हो सकती है। कंपनी ने कहा कि प्रभावित वाहन मालिकों को उचित समय में हिस्से को मुफ्त में बदलने के लिए उनसे मारुति सुजुकी के अधिकृत डीलर वर्कशॉप द्वारा संपर्क किया जाएगा। यह हाल के समय में मारुति का सबसे बड़ा रिकॉल है। पिछले साल जुलाई में मारुति ने स्-क्क्द्दह्यह्यश और श्वद्र्ष्श मॉडल की 87,599 गाड़ियां वापस मंगाई थीं। इन गाड़ियों स्टीयरिंग टाई रॉड में गड़बड़ी थी। मारुति सुजुकी का शेयर शुक्रवार को बीएसई पर 3.55 फीसदी की तेजी के साथ 1,2336.20 रुपये पर बंद हुआ। इसका 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर 12,423.45 रुपये है जो इसने 22 मार्च को छुआ था।

# प्राइवेट मेडिकल कॉलेज के 250 डॉक्टर्स ने आसपास के लगभग 8 गांव के 1250 परिवारों को लिया गोद

इंदौर। सरकार की योजना के अनुसार इंदौर के एक प्राइवेट मेडिकल कॉलेज के 250 डॉक्टर्स ने आसपास के लगभग 8 गांव के 1250 परिवारों को गोद लिया है। जिन परिवारों को गोद लिया है, इनके लगभग 6000 सदस्यों की स्वास्थ्य से सम्बंधित जांचें और इलाज पांच साल तक मुफ्त किया जाएगा।

केंद्र सरकार के नेशनल मेडिकल कमीशंस (एनएमसी) के फैमिली एडॉप्शन प्रोग्राम के तहत कॉलेज द्वारा मरीजों को गोद लिया गया है। मेडिकल कॉलेज के अनुसार आठ गांवों के लगभग 6000 ग्रामीणों की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच कर, जरूरी चिकित्सकीय सुविधा प्रदान जाएगी। निःशुल्क इलाज का यह सिलसिला पांच सालों तक चलेगा।

लगभग ढाई सौ मेडिकल स्टूडेंट्स ने राजोदा, बालोदा, तिलोदा, खंडबाडोलिया, शहादा, लक्ष्मणखेड़ी, उगमखेड़ी और कजलाना गांवों के 1250 परिवारों के लगभग 6000 सदस्यों को निःशुल्क चिकित्सा सुविधा प्रदान करने के लिए गोद लिया है। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग की स्थापना मुख्य रूप से चिकित्सा शिक्षा क्षेत्र में सुधार लाने के लिए की गई थी। इसके तहत मेडिकल कॉलेजों के प्रथम वर्ष के प्रत्येक स्टूडेंट को ग्रामीण इलाकों के पांच-पांच गरीब परिवारों को गोद लेकर एमबीबीएस कोर्स पूरा होने तक उन परिवारों के सभी सदस्यों की स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं का पूरा ध्यान रखना होता है।

# अफगानिस्तान में एक भी आदमी के पास नहीं क्रेडिट कार्ड, पाकिस्तान-बांग्लादेश का भी है बुरा हाल

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत समेत पूरी दुनिया में क्रेडिट कार्ड की लोकप्रियता बढ़ती जा रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत में क्रेडिट कार्ड्स की संख्या 10 करोड़ के आसपास है। कई लोगों के पास एक से ज्यादा क्रेडिट कार्ड हैं। वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में 4.62 फीसदी लोगों के पास क्रेडिट कार्ड है। आबादी के प्रतिशत के हिसाब से देखें तो भारत दुनिया के टॉप देशों की लिस्ट में नहीं है। लिस्ट में सबसे नीचे मौजूद दस देशों में भारत का नाम है। लेकिन दुनिया में एक ऐसा देश भी है जहां किसी के भी पास क्रेडिट कार्ड नहीं है। पाकिस्तान और बांग्लादेश का भी बुरा हाल है।

वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट के मुताबिक क्रेडिट कार्ड के यूज के मामले में कनाडा पहले नंबर पर है। इस देश की 82.74 फीसदी आबादी क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करती है। इजरायल में 79.05 प्रतिशत, आइसलैंड में 74 प्रतिशत, हॉन्ग कॉन्ग में 71.63 प्रतिशत, जापान में 69.66 प्रतिशत, स्विट्जरलैंड में 68.21 प्रतिशत, साउथ कोरिया में 68.44 प्रतिशत, नॉर्वे में 66.74 प्रतिशत और अमेरिका में 66.7 प्रतिशत लोग क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करते हैं। इसी तरह ब्रिटेन में 62.11 प्रतिशत, इटली में 57.88 प्रतिशत, जर्मनी में 56.52 प्रतिशत, ऑस्ट्रेलिया में 51.41 प्रतिशत, सिंगापुर में 41.74 प्रतिशत और चीन में 37.95 प्रतिशत लोग क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करते हैं। क्रेडिट कार्ड एक पेमेंट कार्ड है, जो आमतौर पर बैंक द्वारा जारी किया जाता है। आप इसके जरिए पेमेंट कर सकते हैं और बाद में इसका बिल चुकाना पड़ता है।

### अफगानिस्तान का हाल

अफगानिस्तान दुनिया का अकेला देश है जहां कोई भी व्यक्ति क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल नहीं करता है। इस इस्लामी देश में तालिबान का शासन है। नीचे से दूसरे नंबर पर पाकिस्तान है। इस देश में क्रेडिट कार्ड इस्तेमाल करने वालों की आबादी महज 0.22 प्रतिशत है। बांग्लादेश में यह संख्या 0.62 प्रतिशत है। इसके बाद इंडोनेशिया (1.6 प्रतिशत), नाइजीरिया (1.61 प्रतिशत) और मिस्र (2.8 प्रतिशत) का नंबर है। भारत 4.62 फीसदी के साथ इस लिस्ट में नीचे से सातवें नंबर पर है। हालांकि भारत में क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करने वालों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। दिसंबर, 2023 तक देश में 9.79 करोड़ क्रेडिट कार्ड जारी किए जा चुके थे। दिसंबर में ही देश में 19 लाख क्रेडिट कार्ड जारी किए गए थे।

# दुनिया का सबसे खुशहाल देश फिनलैंड

### रोजाना एक किलो से ज्यादा दूध पी जाता है हर आदमी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** यूएन ने हाल में खुशहाल देशों की एक लिस्ट जारी की थी। इसमें फिनलैंड को लगातार सातवें साल पहला स्थान मिला है। फिनलैंड नॉर्डिक इलाके का देश है। नॉर्डिक क्षेत्र उत्तरी यूरोप और नॉर्थ अटलांटिक का भौगोलिक और सांस्कृतिक इलाका है। इसमें डेनमार्क, फिनलैंड, आइसलैंड, नॉर्वे और स्वीडन शामिल हैं। फिनलैंड के बारे में एक फैक्ट यह भी है कि दुनिया में दूध की प्रति व्यक्ति सबसे ज्यादा खपत इसी देश में है। इस देश में दूध की सालाना प्रति व्यक्ति खपत 430 किलो है। यानी हर आदमी रोजाना एक किलो से अधिक दूध पी जाता है। अगर भारत के हिसाब से देखें तो फिनलैंड में दूध की प्रति व्यक्ति खपत करीब पांच गुना ज्यादा है। प्रति व्यक्ति दूध के खपत के मामले में फिनलैंड के बाद दूसरे नंबर पर मोंटेनेग्रो है। इस देश में दूध की पर कैपिटा सालाना खपत 249 किलो है। मिल्क कंजम्पशन में टॉप 10 देशों में नौ देश यूरोप के हैं। नीदरलैंड में प्रति व्यक्ति सालाना दूध की खपत 341 किलो, स्वीडन में 341 किलो, स्विट्जरलैंड में 318 किलो, अल्बानिया में 303 किलो, लिथुआनिया में 295 किलो, आयरलैंड में 291 किलो, कजाखस्तान में 288 किलो, एस्तोनिया में 284 किलो, डेनमार्क में 277 किलो और नॉर्वे में 261 किलो है। दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी में प्रति व्यक्ति दूध की सालाना खपत 254 किलो, ऑस्ट्रेलिया में 234 किलो और ब्रिटेन में 232 किलो है।

### भारत का हाल

भारत दूध उत्पादन में दुनिया में पहले नंबर पर है। दुनिया के कुल दुग्ध उत्पादन में 24.64 प्रतिशत हिस्सेदारी है। पिछले नौ साल में इसमें सालाना 5.85 प्रतिशत की रफ्तार से तेजी आई है। 2014-15 में देश में दूध का उत्पादन 146.31 मिलियन टन था जो 2022-23 में 230.58 मिलियन टन पहुंच गया। लेकिन प्रति व्यक्ति खपत के मामले में भारत दुनिया में काफी पीछे है। देश में दूध की प्रति व्यक्ति खपत 84 किलो है। पाकिस्तान इस मामले में भारत से कहीं आगे है। वहां प्रति व्यक्ति दूध की सालाना खपत 183 किलो है। चीन में यह महज 32 किलो है जबकि बांग्लादेश में हर आदमी के हिस्से में सालाना केवल 21 किलो दूध ही आता है। सबसे बुरा हाल नॉर्थ कोरिया का है। इस देश में हर आदमी को पूरे साल में केवल चार किलो दूध मिलता है।

# नकदी संकट से जूझ रहे पाकिस्तान की निगाहें भारत पर टिकीं

**नई दिल्ली, एजेंसी।** एक तरफ आतंकवाद से लड़ाई और दूसरी तरफ गंभीर नकदी संकट से जूझ रहे पाकिस्तान की हालत कुछ ठीक नहीं है। ऐसे में पड़ोसी देश ने भारत के साथ व्यापार संबंधों को बढ़ाने की बात कही है। विदेश मंत्री इशाक डार के बयान से संकेत मिल रहा है कि पाकिस्तान अब भारत के प्रति राजनयिक रुख में बदलाव चाहता है।

### पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने क्या कहा?

पाकिस्तान के विदेश मंत्री मोहम्मद इशाक डार का कहना है कि भारत और पाकिस्तान के बीच अगस्त 2019 से व्यापार संबंध रुके हुए हैं। डार ने कहा कि इन संबंधों को बहाल करने पर गंभीरता से विचार किया जाएगा। डार ने ब्रुसेल्स में परमाणु ऊर्जा शिखर सम्मेलन में भाग लिया और इसके बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में ये बातें बताई। उन्होंने भारत के साथ व्यापार गतिविधियों को शुरू करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के कारोबारी भारत के साथ फिर से व्यापार शुरू करना चाहते हैं। डार के अनुसार पाकिस्तान भारत के साथ व्यापार संबंध बहाल करने पर गंभीरता से विचार करेगा।

जिस तरह से इशाक डार ने भारत के साथ व्यापार संबंधों को बहाल करने पर टिप्पणी की, उससे साफ है कि पाकिस्तान भारत के प्रति राजनयिक रुख में बदलाव का संकेत दे रहा है। दरअसल भारत सरकार द्वारा संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त करने और जम्मू-कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने के बाद पाकिस्तान ने भारत के साथ अपने राजनयिक संबंधों को कम कर दिया। उधर जम्मू-कश्मीर पर भारत पहले ही अपना रुख साफ कर चुका है। भारत कह चुका है कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के संपूर्ण केंद्र शासित प्रदेश देश के अभिन्न और अविभाज्य हिस्से थे।

### पीएम मोदी ने दी थी शहबाज शरीफ को बधाई

हाल ही में, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर शहबाज शरीफ को पाकिस्तान का प्रधानमंत्री बनने पर बधाई दी थी। शरीफ ने भी एक्स पर अपनी पोस्ट में पीएम मोदी को धन्यवाद कहा था। शरीफ के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार आठ फरवरी के चुनावों के बाद सत्ता में आई। अपने कार्यकाल के शुरुआत में ही शहबाज शरीफ के सामने गिरती अर्थव्यवस्था एक बड़ी चुनौती है।

# Amazon Pay to ramp up Smart Stores service partnership to vz® brands

Amazon Pay will collaborate with top w® brands this year as part of a plan to enhance its Smart Stores service and take its total brand partnership to vz®, a senior e&ecutive of the firm said. The Bengaluru-based company, the fintech arm of e-commerce major Amazon India, has launched v},®®® Smart Stores in the country since its inception in w®v~.

"We could have launched Smart Stores at a higher velocity but we are gradual in terms of just making sure that the right inputs are there. This year we will see the top vz-w® brands coming on board with us," said Girish Krishnan, Director – Payments, Rewards & Merchant Services, Amazon Pay. "In some categories, more than ~® per cent of sales are actually happening offline. Consumer durables is one of the categories… We have rolled it out across thousands of stores in India. We have seen really good traction. Merchants get about v® to w® per cent increase in sales," he added.

It has partnered with companies across categories such as electronics, mobiles, beauty, restaurants, kitchens, fashion, and appliances. Currently, major brands visible on the Smart Stores interface include HP, Prestige, Oppo, Himalaya, among others. Smart Stores service encourages offline shopping for customers in a way similar to a user browsing through products on a digital interface. With Smart Stores, Amazon wants to bring online shopping convenience to offline.

Krishnan e&plains that a service like this solves multiple challenges users encounter during their journey of shopping offline. This includes, and is not limited to, the discovery of products, making informed choices, affordability, and acceptance of different payment instruments. Nestled within the Amazon Pay app, users can browse through different outlets using the Smart Stores service and scan through the catalogue of products available at the retailer. "It is the offline merchants' branded store which comes to the customer. There are no online prices, no distractions. It only shows you the products, reviews, ratings. It then allows you to browse all the offers, which are available only in the store and then you can pay with it," he said.

"Customers can pay with any payment instruments right in the store. Affordability is a big unlock for us and we want to scale our pay later service. With the corporate credit card, the idea is that all people going to stores should have easy access to credit. That is a long-term vision for us," he said, adding that with Amazon PayÓs Pay Later offering, customers can get credit anywhere between ~w®,®®® to ~z®,®®®.

The company has over eight million pay-later lines available, and its Amazon Pay-ICICI co-branded credit card has crossed four million customers. Despite the Reserve Bank of India (RBI) hiking risk weights on unsecured personal loans last year, the company has not seen any dip in numbers on an aggregated basis. "We have grown our (credit) limits. We are also very thoughtful in terms of giving the credit line to customers. So, we have not changed our strategy and that is where itÓs seen a steady adoption in the market… We have been able to offer the full suite of payment instruments, and we have not seen a dip in any of these numbers. Our partnership with the brands is very agnostic of the merchant. So we talk to the brands or banks, and then often with the merchants whether they want to participate in some of these programmes… We go brand by brand," Krishnan said. "Our approach is very different, we don't go to the store to onboard it, it's primarily driven by a value conversation with a brand," he added. Krishnan e&plains the strategy is to offer better payment instruments and enable customer engagement with its services simultaneously.

The company received a nod for a payment aggregator (PA) licence from RBI last month. "With the PA licence now, we can scale up our merchant business significantly. We can open up the entire set of instruments that we provide to our merchants. It also allows us to offer all the affordability suites, the credit products we have, across all the merchants," he said.

# जायद में मूंगफली की खेती

**मूंगफली महत्वपूर्ण तिलहनी फसल है। खरीफ के साथ-साथ जायद में भी इसकी खेती कर खाद्य तेलों की कमी से निपटा जा सकता है। खरीफ की अपेक्षा इस समय खरपतवारों की सघनता कम होती है, कीट-बीमारियों का प्रकोप कम होता है व खरीफ में वर्षा के असामान्य वितरण से फसल प्रभावित होती है। मध्यप्रदेश की लाल व मिश्रित मृदा में मूंगफली की जायद में खेती करने की काफी संभावनायें हैं-**

### प्रजातियाँ

| किस्म | पकने की अवधि | उपज (क्विं./हे.) | अन्य विशेषतायें |
|---|---|---|---|
| टी.जे.24 | 105-110 | 24-30 | पत्ती धब्बा रोग प्रतिरोधी |
| जी.जी.2 | 100-110 | 25-30 | झुमका किस्म |
| जूनागढ़-11 | 107-110 | 15-18 | कॉलर रॉट प्रतिरोधी |
| ए.के.12-24 | 105-110 | 15-20 | - |
| गंगापुरी | 90-100 | 15-20 | कम वर्षा वाले क्षेत्रों हेतु |
| ज्योति | 105-100 | 15-20 | जड़ सड़न व कॉलर रॉट सहनशील |
| जवाहर | 110 | 18-20 | - |

**जलवायु-** मूंगफली की बुवाई का समय मृदा व वातावरण के तापमान पर निर्भर करता है बुवाई के समय मृदा के ऊपरी 10 से.मी. का तापमान लगभग 18-20 से.मी. होने पर जायद में मूंगफली की बोनी की जा सकती है। जायद मौसम में मूंगफली की बोनी का उपयुक्त समय फरवरी के द्वितीय से अंतिम सप्ताह के बीच कर देनी चाहिए.

## खेत की तैयारी व मृदा उपचार

उचित जल निकास वाली बलुई व हल्की भूमि जिसका पी.एच.मान 6.5 से 7.5 के बीच हो। खेत में पलेवा लगाकर ओट आने पर 2-3 जुताई कल्टीवेटर से कर बुवाई करनी चाहिए। बुवाई से पूर्व 100 कि.ग्रा. गोबर खाद में दो कि.ग्रा. ट्राइकोडर्मा विरिडी मिलाकर प्रति हेक्टेयर के मान से खेत में मिलायें।

सफेद लट व दीमक से बचाव हेतु फोरेट 10 प्रतिशत या एंडोसल्फान 4 प्रतिशत चूर्ण 20 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर के मान से बुवाई पूर्व खेत में मिलायें।

## बीज दर, बुवाई का तरीका

बीज के आकार के अनुसार 100-120 (गुली) कि.ग्रा. बीज/हेक्टेयर उपयुक्त होता है। बुवाई से पूर्व बीज को कार्बेन्डाजिम की 2 ग्रा. मात्रा द्वारा प्रति कि.ग्रा. के मान से उपचारित करें. बुवाई 5-6 से.मी. की गहराई पर, लाइन से लाइन की दूरी 25-30 से.मी. तथा पौधे से पौधे 8-10 से.मी. रखें.

## पोषक तत्व प्रबंधन

सामान्यतः 43 कि.ग्रा. यूरिया, 250 कि.ग्रा. सिंगल सुपर फास्फेट तथा 40 कि.ग्रा. पोटाश व 20 कि.ग्रा. सल्फर का उपयोग किये जाने की सिफारिश की जाती है। फॉस्फोरस की आपूर्ति सिंगल सुपर फॉस्फेट से करने पर सल्फर, कैल्शियम, जिंक की भी पूर्ति हो जाती है।

**सिंचाई-** जायद में की जाने वाली मूंगफली में पलेवा के अतिरिक्त 6-7 सिंचाई की आवश्यकता पड़ती है। फसल की क्रांतिक अवस्थाओं जैसे फूल निकलते समय, सूईयों एवं फली का विकास होते समय सिंचाई अवश्य करें।

**खरपतवार नियंत्रण-** जायद में बार-बार सिंचाई करने से खरपतवारों का प्रकोप अधिक होता है अतः बुवाई करने के 20-25 दिन व 35-40 दिन तक खरपतवारों को निंदाई कर नष्ट करें।

### रोग-

**कीट नियंत्रण-** दीमक व सफेद ग्रव का प्रकोप होने की दशा में क्लोरोपायरीफॉस 2.5 ली. प्रति हे. 25 कि.ग्रा. रेत में मिलाकर खड़ी फसल में भुरकाव कर सिंचाई करें. पत्तियों पर टिक्का रोग (मटियाले रंग के भूरे धब्बे) के लक्षण दिखाई देने पर मेंकोजेब 1.5 से 2.0 कि.ग्रा. का घोल प्रति हे.छिड़काव करें.

**खुदाई व उपजः-** गुच्छेदार किस्में 100-105 दिन में तथा फैलने वाली किस्में 120-130 दिन में पककर तैयार हो जाती है। जब फली के बीज सख्त हो जाये व छिलका बादामी हो जाये तथा पत्तियाँ पीली पड़कर सड़ने लगे तब खुदाई करें। इस प्रकार उन्नत सस्य प्रबंधन व पौध संरक्षण से 25 क्विंटल तक उपज प्राति हे. प्राप्त होती है।

# मिर्च के कीड़ों की रोकथाम

**सफेद मक्खी** - इस कीट की मादायें पत्तियों की निचली सतह पर अंडे देती हैं तथा शिशु और प्रौढ़ पत्तियों की निचली सतह का रस चूसते हैं. यह कीट पर्ण कुंचन रोग को एक पौध से दूसरे पौध में फैलता है. इस कीट का प्रकोप उन क्षेत्रों में अधिक होता है जहां सिन्थेटिक पायरेथ्राइड्स कीटनाशकों का अधिक प्रयोग होता है.

**प्रबंधन** - डायमिथिएट 30 ईसी दवा की 1 मिली मात्रा का घोल 10 दिन के अंतर पर छिड़कें.

**थ्रिप्स** - इस कीट के शिशु एवं वयस्क दोनों पत्तियों, कोमल शाखाओं एवं पुष्पों का रस चूसते हैं जिससे शाखायें विक्रत हो जाती हैं तथा पत्तियां ऊपर की ओर मुड़ जाती हैं. पौधे की बढ़वार रूक जाती है, पत्तियां गिर जाती हैं. इस कीट का प्रकोप सबसे अधिक जब होता है तब बादल अधिक छाये हों.

**प्रबंधन** - (अ)फसल को खरपतवार रहित रखें. (ब) पौधे से पौधे की दूरी सुझायें अनुसार रखें अधिक घने पौधे नहीं लगायें. (स) प्रारंभिक अवस्था में नीम तेल का 5 ग्राम प्रति ली. घोल बनाकर छिड़कें.

**माइट** - इस कीट के शिशु एवं वयस्क दोनों पत्तियों का रस चूसते हैं जिससे पत्तियां नीचे की ओर मुड़ जाती हैं. पत्तियों का रंग धूसर हो जाता है. फूल आना बंद हो जाता है. यह कीट बहुत छोटा होता है जो आसानी से दिखाई नहीं देता.

**प्रबंधन** - इस कीट के नियंत्रण के लिए यकोफ़ाल 18.5 ईसी की 2 मिली मात्रा या घुलनशील सल्फर की 2.5 ग्राम मात्रा का घोल प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़कें.

**सफेद लट** - इस कीट की गिडार मोटी, लम्बी एवं मजबूत शरीर वाली होती है. जो पौधे की जड़ों को काटकर खाती हैं. यह कीट मुख्य जड़ को काट देता है जिससे फसल सूख जाती है.

इस कीट के प्रोण वर्षा से पहले या वर्षा के समय रात्रि के समय बेर, अमरूद, नीम और बबूल पर बैठते हैं तथा पत्तियों को खाते हैं. सबेरा होते ही खेतों में जाकर अंडे देते हैं जिससे 8-10 दिन में फिर गिडार निकल आती है जो पत्तियों को खाकर नुकसान पहुंचाती हैं.

**प्रबंधन-** (अ) खेतों में अध पका या कच्चा गोबर खाद न डालें. (ब) ग्रीष्म कालीन गहरी जुताई करें. (स) फोरेट 10 जी की 5 किलोग्राम मात्रा खेत की आखिरी जुताई के समय मिट्टी में मिला दें. (द) खेत में प्रकाश प्रपंच लगाकर कीट के प्रोढ़ इकट्ठा कर नष्ट करें. (इ) कीट ग्रसित पौधों के ऊपर रात्रि में लम्बे लाठी घुमाकर कीड़े नीचे गिरा दें तथा भृंग कीटों को इकट्ठा कर नष्ट करें.

**फल छेदक** - इस कीट की इल्लियां फलों में छेद कर अन्दर घुस जाती हैं तथा अंदर का गूदा खाकर हानि पहुंचाती हैं. जिससे फल नीचे गिर जाते हैं.

**प्रबंधन** - (अ) प्रारंभिक अवस्था में नीम तेल का 5 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़कें . (ब) फल छेदक कीट का प्रकोप दिखने पर इंडोसल्फान 35 ईसी या क्विनालफास 25 ईसी की 2 मिली दवा प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़कें .

**माहो (एफिड)** - यह कीट पौधे के कोमल भाग पत्तियों एवं शाखाओं का रस चूसते हैं तथा उनके ऊपर मधु रस स्त्राव करते हैं जो मोजेक रोग फैलाते हैं. जिससे सूटी मोल्ड विकसित हो जाता हैं और फल काले पड़ जाते हैं.

**प्रबंधन-** (अ) प्रारंभिक अवस्था में नीम तेल का 5 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़कें. (ब) मिथाइल डिमेटान 25 ईसी 2 मिली दवा का प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें.

# अरहर में एकीकृत कीटनाशी प्रबंधन

अरहर फसल को कीटों के प्रति अधिक सावधानियां रखनी होती है क्योंकि इस फसल में भी अन्य फसलों की तरह अंकुरण से लेकर पकने तक की अवस्था में विभिन्न प्रकार के कीटों का आक्रमण होता है परंतु फूल एवं फली वाली अवस्था में प्रकोप होने पर उत्पादन में कमी आ जाती है। इन अवस्थाओं में आर्थिक रूप से हानि पहुंचाने वाले प्रमुख कीटों को मुख्य रूप से दो भागों में विभाजित किया जा सकता है

भेदक कीट – हरी रोंयेदार इल्ली या पिच्छकी शलभ (प्लूम मॉथ), चने की इली (हेलिकोवर्पा आर्मीजेरा), फली मक्खी (पॉड फलाई), चित्तीदार फली भेदक (स्पाटेड पॉड बोरर) आदि।

रसचूसक कीट– भूरा फली बग (क्लेवीग्रेला गिब्बोसा) आदि।

समन्वित कीट प्रबंधन की विभिन्न विधियों का विवरण इस प्रकार है–

- ■ फसल अवशेषों को नष्ट तथा ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई करना चाहिये।
- ■ अरहर की जल्दी पकने वाली जातियों का चुनाव करें जैसे– प्रगति, जाग्रति, उपास 120, प्रभात आदि।
- ■ जिन क्षेत्रों में चित्तीदार फली भेदक का प्रकोप अधिक होता है वहां पर मध्यम अवधि की किस्मों की खेती करें जैसे आशा, नं. 148 आदि। इन जातियों में कीट प्रकोप कम होता है।
- ■ प्रारंभिक अवस्था में हरी रोयेंदार इल्ली (पिच्छकी शलभ) की हरे या भूरे रंग की इल्लियों तथा शंखियों को इकट्ठा कर नष्ट कर दें।
- ■ चने का फली भेदक प्रकोपित क्षेत्रों में फेरोमेन प्रपंच का उपयोग करें तथा हर दिन सुबह इनमें इकट्ठी पंखियों को नष्ट कर दें। एक हेक्टेयर में 5 फेरोमेन प्रपंच लगाना चाहिए। इन प्रपंचों में प्रयुक्त सेप्टा को 15 दिन बाद बदल दें।
- ■ प्रकाश प्रपंच का उपयोग करें तथा सुबह इनमें इकट्ठा प्रौढों को नष्ट कर दें।
- ■ खेत के अन्दर 4 से 5 मीटर की दूरी पर टी आकार की बांस की खूंटियों को, जिसकी लगभग ऊंचाई फसल से 30 से.मी. अधिक हो, लगा दें।
- ■ अरहर की फसल में हानिकारक कीटों के साथ–साथ विभिन्न प्रकार के परभक्षी मित्र जीव (मकड़ी, बड़ा पतंगा, मेन्टिड, काक्सीनेला, रिजूविड बग, क्रायसोपा आदि) परजीवी मित्र कीट (एपेन्टेलिस, ब्रेकान, ग्रायन, डायडिगमा, केम्पोलेटिस आदि) तथा रोगाणु पाये जाते हैं। अतः कीटनाशकों का प्रयोग बहुत सोच समझकर करें ताकि मित्र जीवों का संरक्षण एवं संवर्धन फसल के अंदर होता रहे।
- ■ हानिकारक कीटों के सर्वेक्षण के अंतर्गत फसल पर फूलने एवं फली भरने की अवस्था पर हानिकारक कीट एवं उनके प्राकृतिक शत्रु (मित्र कीट) की संख्या के आकलन हेतु सामान्य नजरिया आकलन सप्ताह में दो बार करना चाहिये।
- ■ अरहर में फूल आने की अवस्था में जब कीड़े आर्थिक हानि स्तर पर पहुंचने लगे या हानिकारक कीटों एवं लाभदायक जीवों का अनुपात 1: 05 होने पर सतर्क हो जायें तथा कम अनुपात होने पर कीटनाशकों का उपयोग करें। पहला छिड़काव 10 दिनों के अंतराल पर एन. पी. वी.(न्यूक्लियर पालीहाइड्रोसिस वायरस) का 250–500 एल.ई. या नीम तेल का 2.5 लीटर प्रति हेक्टेयर छिड़काव करें। यह नव विकसित इल्लियों के नियंत्रण के लिये काफी कारगर होता है।
- ■ कीटों के अधिक प्रकोप होने की स्थिति में रसायनिक नियंत्रण के लिए प्रथम छिड़काव मेलाथियान 50 ई.सी. 35 ई.सी. एक लीटर प्रति हेक्टेयर के हिसाब से एवं उसके 15 दिन बाद दूसरा छिड़काव इसके बाद भी आवश्यकता पड़ने पर फिर से 15 दिन बाद तीसरा छिड़काव क्लोरोपायरीफॉस 20 ई.सी. एक लीटर प्रति हेक्टेयर के हिसाब से करें। हमेशा अदल–बदल कर कीटनाशकों का उपयोग करें।

उक्त समन्वित विधियों को अपनाकर किसान भाई अरहर के हानिकारक कीटों का प्रभावशाली ढंग से प्रबंधन कर अपनी आर्थिक स्थिति सुधार सकते हैं।

# रसायनिक उर्वरकों के लाभकारी सुझाव

## उर्वरकों के भरपूर लाभ कैसे लें इसके लिये निम्नलिखित बातें ध्यान रखें

- मिट्टी परीक्षण के आधार पर नत्रजन, फास्फोरस एवं पोटाश तत्व का संतुलित मात्रा में प्रयोग करें.द्य मिट्टी परीक्षण के आधार पर गौण व सूक्ष्म पोषक तत्वों का उपयोग करें. द्य रसायनिक उर्वरकों के साथ जैविक खादों का समावेश करें.
- फसल चक्र अपनायें. द्य उपयुक्त सस्य क्रियायें अपनायें.

मिट्टी परीक्षण के आधार पर गौण व सूक्ष्म पोषक तत्वों का उपयोग--जैसा कि विदित है कि हमारे द्वारा लगातार अधिक मुख्य तत्वों वाले रसायनिक उर्वरक उपयोग कर उपज में बढ़ोत्तरी की है लेकिन जमीन से गौण व सूक्ष्म पोषक तत्व जमीन में नहीं दिये जा रहे हैं. जिसके फलस्वरूप हमारी जमीन में मुख्य पोषक तत्वों के साथ-साथ गौण व सूक्ष्म पोषक तत्वों की भी कमी हो गई है। जिसमें सल्फर तत्व चौथे आवश्यक पोषक तत्व के रूप में उभर कर आया है। जिसका मुख्य कारण सघन खेती के साथ जमीन में इन पोषक तत्वों का उपयोग न करना तथा कार्बनिक पदार्थों का खेतों में न डालना है।

## रसायनिक उर्वरकों के साथ जैविक खादों का समावेश

परम्परागत खेती के समय रसायनिक खादों का उपयोग कम था लेकिन किसान खेती में गोबर खाद,हरी खाद एवं भूसा आदि को खेत में मिला दिया जाता था तथा सघन खेती भी नहीं होती थी जिसके कारण जमीन की जलधारण क्षमता अच्छी थी तथा पोषक तत्व भी पर्याप्त होते थे परंतु वर्तमान युग मशीनरी की खेती का युग हो गया है जिसमें पशुपालन कम होता जा रहा है किसान भाई अधिक उपज प्राप्ती के लिये मिट्टी के स्वास्थ्य का ध्यान रखना भूल गये हैं जिसके परिणाम किसानों को दिखने लगे हैं कि रासायनिक खाद दिये जाने पर फसल उसका उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। इसलिये प्रत्येक तीन वर्ष में एक बार 15-20 टन गोबर खाद प्रति हेक्टर खेत में डालें.

## फसल चक्र अपनायें

फसल चक्र से आशय एक ही फसल को लगातार न बोयें. पहली वर्ष यदि खरीफ में सोयाबीन और रबी में गेहूं तो दूसरी वर्ष खरीफ में मक्का एवं रबी में चना बोयें। फसल चक्र में दलहनी फसलों का समावेश अवश्य करें. दलहनी फसल वायुमंडलीय नत्रजन को अवशोषित कर स्थिर करती है. तथा नत्रजन दलहनी फसल में नहीं देना पड़ता है.उथली जड़ वाली फसल के बाद गहरी जड़ वाली फसल,अधिक पानी वाली फसल के बाद कम पानी चाहने वाली फसल बोये. फसल चक्र अपनाने से उर्वरकों की क्षमता तो बढ़ती ही है साथ ही साथ कीड़े बीमारी भी कम लगती है।

## उपयुक्त सस्य क्रियायें अपनायें

उपयुक्त सस्य क्रियायं अपनाने से रसायनिक उर्वरकों की दी गई मात्रा अधिक से अधिक फसल द्वारा ली जावेगी जिससे उपज भी अच्छी मिलेगी. इसके लिये कुछ मुख्य कृषि क्रियायें मुख्य हैं जो निम्नलिखित हैं.

- उपलब्ध साधनों के अनुरूप अधिक उपज देने वाली किस्म बोयें.

बीज जनित रोगों से बचने के लिये बाबिस्टीन, थाइरम से बीज को उपचारित कर बोयें.

किस्म की पकने की अवधि के अनुसार समय पर बुवाई करें.

उर्वरकों को सही विधि व समय पर दें.

फसलों की बढ़वार के क्रान्तिक समय में खेत को खरपतवार रहित रखें.

सिंचाई आवश्यकतानुसार एवं सही विधि से करें.

रोग व बीमारियों का प्रबंधन करें.

समय पर कटाई कर,थ्रेसिंग कर उचित भंडारण करें.

IPL 2024

# रसेल आईपीएल में सबसे कम गेंदों पर 200 छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बने

## क्रिस गेल का तोड़ा रिकॉर्ड

**नईदिल्ली, एजेंसी।** आंद्रे रसेल जिस तरह के खेल के लिए जाने जाते हैं उनकी वैसी ही पारी हैदराबाद के खिलाफ क्रिकेट फैंस को देखने को मिली। रसेल ने हैदराबाद के गेंदबाजों की बखिया उधेड़ते हुए अपनी पारी में 7 छक्के लगाए और नाबाद 64 रन की पारी सिर्फ 25 गेंदों पर खेली। रसेल ने इन 7 छक्कों की मदद से आईपीएल में अपने 200 छक्के भी पूरे कर लिए और वह इस लीग में सबसे कम गेंद खेलकर इतने छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में पहले स्थान पर पहुंच गए औरह क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ दिया। इस मैच में केकेआर को हैदराबाद के खिलाफ 4 रन से जीत मिली और इस मैच में रसेल ने 2 विकेट भी लिए।

### आंद्रे रसेल ने तोड़ा क्रिस गेल का रिकॉर्ड

आंद्रे रसेल ने आईपीएल में अपने 200 छक्के पूरे कर लिए और उन्होंने ये छक्के 1322 गेंदों खेलकर जड़े। रसेल अब इस लीग में सबसे कम गेंद खेलकर 200 छक्के पूरे करने वाले बल्लेबाप्ज बन गए। इससे पहले इस लीग में सबसे कम गेंद खेलकर 200 छक्के लगाने वाले बल्लेबाज क्रिस गेल थे जिन्होंने यह कमाल 1811 गेंद खेलकर किया था, लेकिन अब वह लिस्ट में दूसरे नंबर पर आ गए हैं। वहीं इस लिस्ट में किरोन पोलार्ड तीसरे नंबर पर हैं जिन्होंने 2055 गेंदों पर 200 छक्के पूरे किए थे। आईपीएल में सबसे कम गेंद खेलकर 200 छक्के लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज एमएस धोनी हैं जिन्होंने 3126 गेंद पर यह कमाल किया था।

### आईपीएल में सबसे कम गेंद खेलकर 200 छक्के लगाने वाले बल्लेबाज

1322 – आंद्रे रसेल
1811 – क्रिस गेल
2055 –कीरोन पोलार्ड
2790 – एबी डिविलियर्स
3126 – एमएस धोनी
3798 – रोहित शर्मा
3879 – डेविड वॉर्नर

### एबी और कोहली की खास लिस्ट में शामिल हुए रसेल

आंद्रे रसेल आईपीएल में डेथ ओवर्स में 200 प्लस की स्ट्राइक रेट के साथ 1000 रन बनाने वाले तीसरे बल्लेबाज बन गए। रसेल से पहले इस लीग में ऐसा कमाल एबी डिविलिर्स और विराट कोहली ने किया था। रसेल ने इस लीग में डेथ ओवर्स में 200 प्लस की स्ट्राइक रेट के साथ 1013 रन बनाए हैं तो वहीं एबी ने 1412 रन जबकि कोहली ने 1045 रन बनाए हैं।

### आईपीएल डेथ ओवरों में 200+ स्ट्राइक रेट से सर्वाधिक रन

1421 रन – एबी डिविलियर्स
1045 रन – विराट कोहली
1013 रन – आंद्रे रसेल
534 रन – ऋषभ पंत
414 रन – फाफ डु प्लेसिस
404 रन – क्रिस गेल

# कोलकाता नाइट राइडर्स के हीरो को लगी चपत, हर्षित राणा की कटी 60 प्रतिशत मैच फीस

**नईदिल्ली, एजेंसी।** इंडियन प्रीमियर लीग 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स ने तेज गेंदबाज हर्षित राणा की शानदार गेंदबाजी के बदौलत शनिवार (24 मार्च) को कोलकाता के ईडन गार्डन में सनराइजर्स हैदराबाद को चार रन से हरा दिया।

केकेआर के हीरो को आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट का उल्लंघन करने के लिए मैच फीस का कुल 60 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। राणा ने मैच के अंतिम ओवर में 13 रनों का बचाव करते हुए केवल आठ रन दिए और दो विकेट लेकर अपनी टीम को रोमांचक जीत दिलाई। राणा ने आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.5 के तहत लेवल 1 की दो गलतियां कीं। उन पर दो संबंधित गलतियों के लिए मैच फीस का 10 प्रतिशत और 50 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया। राणा ने अपनी गलती स्वीकार कर ली और मैच रेफरी की सजा स्वीकार कर ली। कोड ऑफ कंडक्ट के लेवल 1 के उल्लंघन के लिए मैच रेफरी का निर्णय अंतिम और बाध्यकारी है।

### मंयक को फ्लाइंग किस दिया

हर्षित ने 20वें ओवर में शानदार गेंदबाजी। वह मैच के दौरान सनराइजर्स हैदराबाद बल्लेबाजों के साथ कई बार उलझे। उन्होंने मंयक अग्रवाल और अंतिम ओवर में हेनरिक क्लासेन को आउट करने के बाद ऐसे सेलिब्रेशन किया कि उनपर जुर्माना लगा। राणा को पावरप्ले में पिछले ओवर में एक छक्का और चौता लगा था। उन्होंने मंयक अग्रवाल को आउट करके उनकी अभिषेक शर्मा के साथ 60 रन की साझेदारी को तोड़ा। उन्होंने मंयक को फ्लाइंग किस दिया। अग्रवाल ने भी पवेलियन जाते समय राणा को घूरकर देखा।

### गावस्कर ने हर्षित राणा की आलोचना की

भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने इस तरह के सेलिब्रेशन के लिए हर्षित राणा की आलोचना की। उन्होंने कहा, उसे ऐसा नहीं करना चाहिए था।

जब वह उन्हें छक्के मार रहे था तो क्या बल्लेबाज ने उनके साथ ऐसा कुछ किया? इन हरकतों के बिना भी क्रिकेट खेला जा सकता है। मैं समझता हूं यह टेलीविजन का युग है। अपने साथियों के साथ जश्न मनाएं, लेकिन विपक्षी खिलाड़ी के सामने ऐसी हरकत करने की जरूरत नहीं है।

# सैमसन ने 6 छक्के लगाकर तोड़ा रोहित शर्मा का रिकॉर्ड

## लखनऊ के खिलाफ खेली नाबाद 82 रन की पारी

**जयपुर, एजेंसी।** राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन ने आईपीएल 2024 के अपने पहले मुकाबले में केएल राहुल की टीम लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ नाबाद 82 रन की पारी खेली और उनकी इस पारी के दम पर राजस्थान ने लखनऊ के खिलाफ 20 ओवर में 4 विकेट पर 193 रन बनाए।

इस मैच में राजस्थान के शुरुआती विकेट जल्दी गिर गए, लेकिन इसके बाद संजू ने ना सिर्फ पारी को संभाला बल्कि बेहतरीन बल्लेबाजी के दम पर टीम के स्कोर को बेहद मजबूत स्थिति में भी पहुंचाने का काम किया। संजू ने अपनी पारी के दौरान 6 बेहतरीन छक्के लगाए और रोहित शर्मा का रिकॉर्ड तोड़ दिया।

### 6 छक्के लगाकर रोहित से आगे निकले संजू सैमसन

संजू सैमसन ने लखनऊ के खिलाफ मुकाबले में नाबाद 82 रन बनाए और उन्होंने ये रन 52 गेंदों का सामना करते हुए बनाया और इस दौरान उन्होंने 6 छक्के और 3 चौके लगाए।

इस पारी में 6 छक्के लगाने के बाद संजू सैमसन अब आईपीएल की एक पारी में 5 या उससे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर आ गए।

# MCA ने रणजी ट्रॉफी जीतने के बाद अपनी टीम को दिया खास गिफ्ट, अब मुंबई के खिलाड़ियों पर होगी पैसों की बारिश

**नई दिल्ली, एजेंसी।** मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) ने शनिवार को घोषणा की है कि वह टीम के सीनियर खिलाड़ियों के लिए आगामी 2024-25 सत्र से घरेलू क्रिकेट में बीसीसीआई द्वारा दी जाने वाली मौजूदा मैच फीस के बराबर राशि बढ़ायेगा। एमसीए अध्यक्ष अमोल काले ने शनिवार को यह घोषणा की। एमसीए ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य रणजी ट्रॉफी के अहमियत को बढ़ावा देना और एमसीए के अंतर्गत होने वाले लाल गेंद के क्रिकेट के विकास को बढ़ावा देना है। एमसीए अध्यक्ष काले ने बीसीसीआई की घरेलू फीस के बराबर करने का प्रस्ताव रखा जिसे राज्य इकाई की शीर्ष परिषद ने सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया। काले ने कहा, 'एमसीए अगले सत्र से हर खिलाड़ी को रणजी ट्रॉफी मैच के लिए अतिरिक्त मैच फीस का भुगतान करेगा। हमें लगा कि खिलाड़ियों को अधिक कमाई करनी चाहिए, विशेषकर जो रणजी ट्रॉफी क्रिकेट खेलते हैं।

उन्होंने कहा, 'हमारे लिए लाल गेंद का क्रिकेट बहुत मायने रखता है क्योंकि रणजी ट्रॉफी मुंबई में सभी के लिए एक विशेष स्थान रखती है।' यह घोषणा मुंबई द्वारा रिकॉर्ड 42वीं बार रणजी ट्रॉफी जीतने के एक हफ्ते के बाद की गयी है। मुंबई की जीत के बाद एमसीए ने भी बीसीसीआई द्वारा दी गयी पांच करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि के बराबर राशि दी थी।

### मुंबई 169 रन से जीती थी फाइनल

मुंबई के वानखेड़े क्रिकेट स्टेडियम में मुंबई और विदर्भ के बीच रणजी ट्रॉफी 2024 का फाइनल मैच खेला गया था। इस मैच में मुंबई ने पहली पारी में 224 रन बनाए थे। इसके जवाब में विदर्भ 105 रन बनाकर ऑल आउट हो गई थी। वहीं दूसरी इनिंग में मुंबई ने 418 रन ठोक डाले और विदर्भ को 538 रन का बड़ा टारगेट दिया। विदर्भ दूसरी पारी में 368 रन बनाकर ऑल आउट हो गई और मुंबई 169 रन से फाइनल जीत गई।

# पीसीए के नए मुल्लांपुर स्टेडियम का आगाज यादगार शुरुआत है- अमरजीत सिंह

**न्यू चंडीगढ़, एजेंसी।** पीसीए के नए मुल्लांपुर स्टेडियम का आगाज हो गया और बोर्ड सेक्रेटरी जय शाह इसकी शुरुआत करने के लिए पहुंचे। पीसीए प्रेसिडेंट अमरजीत सिंह ने उनका स्वागत किया और इस यादगार लम्हे में शामिल होने के शुक्रिया बोला।

पीसीए सेक्रेटरी दिलशेर खन्ना समेत, अन्य अधिकारी भी इस मौके पर मौजूद रहे। आईपीएल चेयरमैन अरुण धूमल और बीसीसीआई वाइस प्रेसिडेंट राजीव शुक्ला भी इस मौके पर मौजूद रहे। अमरजीत सिंह ने कहा कि ये एक यादगार लम्हा है और हम बोर्ड के साथ पीसीए के हर उस साथी का शुक्रिया अदा करते हैं जिसने इस स्टेडियम को बनाने में अपना योगदान दिया है। इसकी शुरुआत हो गई है और अब स्टेडियम कई बड़े मुकाबलों की मेजबानी करेगा। पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन ने हमेशा क्रिकेट को आगे ले जाने के लिए योगदान दिया है और हम आने वाले समय में भी क्रिकेट को आगे लेकर जाते रहेंगे।

# श्रीकांत सेमीफाइनल में पहुंचे, क्वार्टर फाइनल में ताइवान के ली को 21-10, 21-14 से हराया

**नई दिल्ली, एजेंसी।** श्रीकांत ने इस टूर्नामेंट में अपने खेल में काफी सुधार किया है। नेट पर भी वह अपने प्रतिद्वंद्वियों को छकाने में पहले से ज्यादा सफल हो रहे हैं। इस टूर्नामेंट में लय में वापसी का फायदा उन्हें अगले महीने होने वाले थामस कप में फायदा मिल सकता है, जब भारतीय पुरुष टीम अपना खिताब बचाने उतरेगी।

स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने ताइवान के चिया हाओ ली को हराकर स्विस ओपन सुपर 300 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। वह 16 महीने में पहली बार

किसी टूर्नामेंट के अंतिम चार में जगह बनाने में सफल रहे हैं। इससे पहले वह नवंबर 2022 में हालो ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे थे। इस सीजन में अपना आठवां टूर्नामेंट खेल रहे श्रीकांत ने ली को 35 मिनट में 21-10, 21-14 से पराजित किया।

विश्व चैंपियनशिप 2021 के रजत पदक विजेता गंटूर के 31 साल के श्रीकांत का मुकाबला अब ताइवान के ही दुनिया के 22वें नंबर के चुन यी से होगा। श्रीकांत ने इस टूर्नामेंट में अपने खेल में काफी सुधार किया है। नेट पर भी वह अपने प्रतिद्वंद्वियों को छकाने में पहले से ज्यादा सफल हो रहे हैं। इस टूर्नामेंट में लय में वापसी का फायदा उन्हें अगले महीने होने वाले थामस कप में फायदा मिल सकता है, जब भारतीय पुरुष टीम अपना खिताब बचाने उतरेगी।

भारत के अन्य खिलाड़ी किरण जॉर्ज को डेनमार्क के रासमस गेमके से अन्य क्वार्टर फाइनल में 23-21, 17-21, 15-21 से हार मिली। अन्य उदीयमान खिलाड़ी मध्यप्रदेश के प्रियांशु राजावत को को चोऊ टिन चेन से 43 मिनट में 15-21, 19-21 से हार मिली।

# जल्द शादी करने वाली हैं कंगना

पिछले कुछ समय में कई बॉलीवुड सेलेब्स ने शादी कर ली है। हाल ही में रकुलप्रीत सिंह ने जैकी भगनानी से शादी की और उनके बाद पुलकित सम्राट और कृति खरबंदा भी शादी के बंधन में बंधे। अब खबर आ रही है कि कंगना रनौत भी नए जीवन की शुरुआत करने वाली हैं। फैंस लंबे समय से कंगना रनौत की शादी का इंतजार कर रहे हैं और अब इस खबर के बाद वह काफी खुश भी हैं। बताया जा रहा है कि कंगना ने अपनी शादी का जोड़ा भी बनने दे दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक कंगना अपना जोड़ा एक ऐसे डिजाइनर से बनवा रही हैं जो हैं तो इंडस्ट्री के लेकिन ज्यादा मशहूर नहीं हैं। इस खबर को काफी प्राइवेट रखा गया है और कंगना किससे शादी करने वाली हैं इसका भी पता नहीं चल पाया है और न ही कंगना की ओर से इसपर कोई रिएक्शन आया है। फैंस का कहना है कि कंगना हर एक मुद्दे को लेकर हमेशा मुखर रही हैं तो शादी की खबर को क्यों छिपाएंगी। ऐसे में इसे केवल अफवाह भी माना जा रहा है। हालांकि कंगना ने कुछ समय पहले अपने शादी के प्लान के बारे में बात की थी। उन्होंने कहा था कि वह हमेशा से खुद का परिवार चाहती हैं। कंगना ने कहा था, हर लड़की अपनी शादी और परिवार बसाने का सपना देखती है। मैं पूरी तरह से पारिवारिक व्यक्ति हूं, यह मेरे लिए बहुत जरूरी है।' मैं शादी जरूर करना चाहती हूं और एक परिवार बनाना चाहती हूं और यह पांच साल से पहले हो जाएगा। अरेंज और लव मैरिज का मिक्स हो तो अच्छा रहेगा।

# एसीपी अविनाश वर्मा बन फिर धमाल मचाएंगे मनोज

बॉलीवुड अभिनेता मनोज बाजपेयी इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म भैया जी को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इस बीच अब अभिनेता की एक और नई फिल्म की घोषणा हो चुकी है। यह उनकी एक हिट फिल्म का सीक्वल है। स्ट्रीमिंग प्लेटफार्म जी5 ने आज शनिवार, 23 मार्च को मनोज बाजपेयी की थ्रिलर फिल्म साइलेंस... कैन यू हियर इट? के सीक्वल की घोषणा की है। मनोज अब अपनी इस फिल्म के सीक्वल से फैंस के बीच धमाल मचाने के लिए पूरी तरह से तैयार है। सीक्वल फिल्म का नाम साइलेंस 2 द नाइट आउल बार शूटआउट है। फिल्म का निर्देशन अबन भरूचा देवहंस ने किया है, जिन्होंने 2021 में आई फिल्म के पहले भाग साइलेंस... कैन यू हियर इट? का निर्देशन किया था।

# अदा ने सनफ्लॉवर 2 में भूमिका के लिए डांस बार में बिताई रातें

एक्ट्रेस अदा शर्मा ने सनफ्लॉवर 2 में अपनी भूमिका को लेकर खुलासा किया है। एक्ट्रेस का कहना है कि उन्होंने अपनी भूमिका के लिए एक डांस बार में रातें बिताईं। वह स्क्रीन पर प्रभावकारी दिखना चाहती थीं। एक्ट्रेस अदा शर्मा ने कहा कि मैं प्रभावकारी दिखना चाहती थी। यह सिर्फ इस बारे में नहीं है कि आप डांस कब कर रहे हैं बल्कि यह इस बारे में है कि आप कैसे बैठते और खड़े होते हैं और परफॉर्मेंस नहीं करने के दौरान आप अपने शरीर के साथ कितने सहज हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि वह कभी-कभी ध्यान देने के लिए डांस बार में सुबह 5 बजे तक रुकती थीं। एक्ट्रेस ने आगे कहा कि वे इतने अच्छे थे कि उन्होंने मुझे बार में रुकने और चीजों को देखने की इजाजत दी। कस्टमर्स से बात करते समय उनके आत्मविश्वास को मैंने देखने की कोशिश की। मैं रात को 9 बजे जाती थी, कभी-कभी सुबह 4 से 5 बजे तक रुकती थी। वेब सीरीज सनफ्लॉवरसीरीज एक हाउसिंग सोसाइटी के निवासियों के जीवन पर आधारित है। वे एक हत्या के रहस्य में उलझ जाते हैं। इसमें सुनील ग्रोवर और मुकुल चड्ढा मुख्य भूमिका में हैं।

-साभार एजेंसी

दैनिक सद्भावना पाती
इंदौर, सोमवार 25 मार्च, 2024



# मुश्किल में अखिलेश का पीडीए दांव, सोशल इंजीनियरिंग की राह पर मायावती

**नईदिल्ली, एजेंसी।** पिछले लोकसभा चुनाव में चिर प्रतिद्वंद्वी बसपा से गठबंधन कर लड़ी सपा को भाजपा के सामने फिर करारी हार मिली तो अखिलेश यादव ने खुद कहा था कि अब भविष्य में वह किसी बड़े दल के साथ गठबंधन नहीं करेंगे। 2022 के विधानसभा चुनाव में उतरने से पहले उन्होंने छोटे दलों के सहारे जातीय गोलबंदी के प्रयास किए तो काफी हद तक सफलता मिली भी।

सपा का आंकड़ा 2017 के मुकाबले 47 से बढ़कर 111 पर पहुंच गया। इससे उत्साहित होकर अखिलेश ने 2024 लोकसभा चुनाव के लिए पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) का नारा तो बुलंद किया, लेकिन चुनाव आते-आते पिछड़ों को सपा से जोड़ने वाला सियासी कुनबा बिखर गया। वहीं, बसपा प्रमुख मायावती किस तरह से एक बार फिर सोशल इंजीनियरिंग की राह पर चल पड़ी हैं, यह अब तक तय हुए संभावित उम्मीदवारों से संकेत मिलता है। लोकसभा चुनाव में इस बार 80 संसदीय सीटों वाले उत्तर प्रदेश में भाजपा से मुकाबला करने के लिए शुरुआत में विपक्षी गठबंधन आईएनडीआईए जो आकार ले रहा था, उसमें समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के साथ राष्ट्रीय लोकदल, अपना दल (कमेरावादी) के अलावा पिछड़ा वर्ग के नेता स्वामी प्रसाद मौर्य जैसे नेता भी थे। इसके समानांतर कांग्रेस की ओर से गठबंधन में बसपा को शामिल करने के प्रयास चल रहे थे, लेकिन चुनाव करीब आते-आते बहुत कुछ बदल गया। अव्वल तो सपा के कई प्रभावशाली नेता ही पार्टी छोड़ गए। वहीं, फिर भाजपा ने पूर्व प्रधानमंत्री चौ. चरण सिंह को भारत रत्न देकर ऐसा चरखा दांव चला कि रालोद मुखिया सपा का साथ छोड़ भाजपा में पाले में जा खड़े हुए। इससे पश्चिम उत्तर प्रदेश में जाटों को साधने के सपा के प्रयासों को झटका लगा। वहीं, जाटों के छिटकने के बाद कुर्मी मतदाताओं को अपनी ओर खींचने के लिए सपा को अपना दल (कमेरावादी) से आस थी, लेकिन उनसे भी मनमुटाव हो गया। फिलहाल सपा के पास वही पुरानी मुस्लिम-यादव गठजोड़ की ताकत ही दिख रही है। उसके गठबंधन में सिर्फ कांग्रेस बची है, जिसका उत्तर प्रदेश में किसी जाति वर्ग में आधार नहीं बचा है। इन हालात में मायावती अपनी अलग रणनीति पर काम कर रही हैं।

## संक्षिप्त समाचार

### अरुण योगीराज ने अयोध्या में बनाई राम लला की एक और मूर्ति

**नईदिल्ली, एजेंसी।।** अयोध्या में रामलला की अलौकिक मूर्ति कर्नाटक के रहने वाले अरुण योगीराज ने बनाई है। श्रीराम की मूर्ति में पूरे विधि विधान से 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा हुई, जिसके बाद भक्तों ने अपने आराध्य प्रभु राम के दर्शन करने शुरू किए। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के दो महीने बाद मूर्तिकार अरुण योगीराज ने एक भगवान श्रीराम की और मूर्ति बनाई है। इसकी जानकारी खुद अरुण ने शनिवार को अपने एक्स हैंडल पर दी। यह मूर्ति हूबहू अयोध्या में स्थापित मुख्य मूर्ति की तरह दिखती है, मगर यह आकार में छोटी है। अरुण योगीराज ने कहा, राम लला की मुख्य मूर्ति का चयन होने के बाद मैंने अयोध्या में अपने खाली समय में एक और छोटी राम लला की पत्थर की मूर्ति बनाई है। बता दें कि मूर्तिकार अरुण योगीराज कर्नाटक के मैसूर के रहने वाले हैं। उनकी कई पीढियां इसी काम से जुड़े हुई हैं। उनके पिता योगीराज शिल्पी एक बेहतरीन मूर्तिकार हैं और उनके दादा बसवन्ना शिल्पी ने वाडियार घराने महलों में अपनी कला दिखाई थी। अरुण मूर्तिकार का मैसूर राजा के कलाकारों के परिवार से संबंध है।

### एहतियाती हिरासत को शुरू में ही करें हतोत्साहित

**नईदिल्ली, एजेंसी।** सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि एहतियाती हिरासत एक कठोर उपाय है। शक्तियों के मनमाने या नियमित प्रयोग पर आधारित इस तरह के किसी भी कदम को शुरू में ही हतोत्साहित किया जाना चाहिए। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना हाई कोर्ट के एक आदेश को रद कर दिया। हाई कोर्ट ने एक कैदी की अपील खारिज कर दी थी। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पार्डीवाला और मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि एहतियाती हिरासत की आवश्यक अवधारणा यह है कि किसी व्यक्ति की हिरासत उसे उसके किए गए किसी काम के लिए दंडित करने की खातिर नहीं है, बल्कि उसे ऐसा करने से रोकने के लिए है। पीठ ने कहा कि शक्तियों के मनमाने या नियमित अभ्यास के परिणामस्वरूप एहतियाती हिरासत के किसी भी आदेश को शुरुआत में ही हतोत्साहित किया जाना चाहिए। कानून-व्यवस्था की स्थिति से निपटने में राज्य पुलिस की अक्षमता एहतियाती हिरासत का आदेश लागू करने का बहाना नहीं होना चाहिए। याचिकाकर्ता को पिछले साल 12 सितंबर को तेलंगाना में राचाकोंडा पुलिस आयुक्त के आदेश पर तेलंगाना खतरनाक गतिविधियां रोकथाम अधिनियम, 1986 के तहत गिरफ्तार किया गया था। चार दिन बाद तेलंगाना हाई कोर्ट ने पुलिस कार्रवाई को चुनौती देने वाली आरोपित की याचिका खारिज कर दी थी। शीर्ष अदालत ने अपने हालिया आदेश में कहा कि कानून में इसकी व्यवस्था की गई है कि एहतियाती हिरासत से संबंधित किसी भी प्रविधान के तहत शक्ति का प्रयोग बहुत सावधानी और संयम के साथ किया जाना चाहिए। अभियोजन का लंबित रहना एहतियाती हिरासत के आदेश पर कोई बाधा नहीं है और एहतियाती हिरासत का आदेश भी अभियोजन पर बाधा नहीं है।

# दिल्ली के सभी अस्पतालों में हाई अलर्ट और बेड भी रिजर्व; पुलिस की चप्पे-चप्पे पर पैनी नजर

**नईदिल्ली, एजेंसी।** होली के दिन होने वाली दुर्घटनाओं की आशंका को देखते हुए दिल्ली के सभी अस्पताल हाई अलर्ट पर हैं। पिछले साल होली के दिन करीब 200 लोग घायल होकर एम्स ट्रामा सेंटर, डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल, सफदरजंग, लोकनायक, जीटीबी, डीडीयू, संजय गांधी, अंबेडकर, इंदिरा गांधी, बुराड़ी सहित अन्य अस्पतालों में पहुंचे थे।

डॉक्टरों के मुताबिक, होली के दिन ज्यादातर लोग शराब पीकर या नशे में गाड़ियां चलाते हैं। ऐसे में अक्सर दुर्घटनाएं हो जाती हैं। इसमें वाहन चलाने वाले के अलावा दूसरे लोग भी गंभीर रूप से घायल हो जाते हैं। ऐसे मरीजों के लिए सभी अस्पतालों में इमरजेंसी वार्ड को सक्रिय कर दिया गया है। साथ ही, स्टाफ को हाई अलर्ट पर रहने को कहा गया है। एम्स में आंख रोग विभाग के प्रमुख डॉक्टर जेएस टिटियाल ने बताया कि गुब्बारे लगने और केमिकल युक्त रंग की वजह से आंखों में दिक्कत होने लगती है।

डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अजय शुक्ला ने कहा कि होली पर घायल मरीजों के लिए आपातकालीन विभाग में 12 बिस्तर की व्यवस्था की गई है। पूरे स्टाफ को अलर्ट पर रखा गया है। जरूरत पड़ने पर देशी शराब और अन्य नशे से निपटने के लिए स्टाफ तैयार रहेगा।

वहीं, होली पर हुड़दंगियों पर नजर रखने के लिए राजधानी के हर जिले में दिल्ली पुलिस की विशेष टीम तैनात की गई है। इस दौरान पुलिसकर्मी संवेदनशील इलाकों में गश्त करेंगे। वहीं, कुछ इलाकों में अतिरिक्त सुरक्षा बल की भी तैनाती होगी, जहां पिछले वर्ष हुड़दंग की घटनाएं अधिक हुई थीं।

## दिल्ली में बारिश का अलर्ट

**नईदिल्ली, एजेंसी।** होली से पहले एक बार फिर दिल्ली का मौसम बदल सकता है। मौसम विभाग ने राजधानी में रविवार शाम को कुछ इलाकों में बूंदाबांदी की संभावना जताई है। बारिश के चलते कारण दिल्ली में तेजी से बढ़ रहे न्यूनतम तापमान में कमी आ सकती है। पहले अगले तीन से चार दिन में न्यूनतम तापमान 21 डिग्री तक पहुंचने का अनुमान था, वहीं अब अगले चार दिन तक न्यूनतम तापमान 17 से 18 डिग्री रहने के आसार हैं। अभी के मौसम में यह सामान्य है। मौसम विभाग का अनुमान है कि रविवार को अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 33 और 17 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। दिल्ली में रविवार को हवा भी 8 से 20 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल सकती है। बीते कुछ दिनों में दिल्ली का अधिकतम तापमान तेजी से बढ़ा है।

मौसम विभाग ने बताया कि शनिवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान 34.1 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से तीन डिग्री ज्यादा है। वहीं, न्यूनतम तापमान 16.2 डिग्री सेल्सियस रहा, जो औसत से एक डिग्री कम है। रविवार को बूंदाबांदी के चलते तापमान में कुछ कमी आ सकती है, लेकिन सोमवार से फिर अधिकतम तापमान बढ़ेगा। 28 मार्च को अधिकतम तापमान 36 डिग्री तक जा सकता है। मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली में अगले छह दिन तक हल्के बादल छाए रहेंगे।

## विधेयकों को राष्ट्रपति की मंजूरी न मिलने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची केरल सरकार

**नईदिल्ली, एजेंसी।** केरल सरकार ने एक अप्रत्याशित कदम उठाते हुए राज्य विधानसभा से पारित चार विधेयकों को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु द्वारा स्वीकृति न दिए जाने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। इन विधेयकों में विश्वविद्यालय कानून (संशोधन) (नंबर 2) विधेयक, 2021, केरल सहकारी सोसायटी (संशोधन) विधेयक, 2022, विश्वविद्यालय कानून (संशोधन) विधेयक, 2022 और विश्वविद्यालय कानून (संशोधन) (नंबर 3) विधेयक, 2022 शामिल हैं।

### एलडीएफ सरकार ने स्ष्ट से क्या की है मांग?

माकपा के नेतृत्व वाली एलडीएफ सरकार ने शीर्ष कोर्ट से राष्ट्रपति द्वारा बगैर किसी कारण के विधेयकों को मंजूर न करने को असंवैधानिक कदम घोषित करने की मांग की है। राष्ट्रपति के सचिव, राज्य के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान और उनके अतिरिक्त सचिव को मामले में पार्टी बनाया है।

# दिल्ली में 3 करोड़ रुपये कैश के साथ 4 लोग पकड़े, हवाला कनेक्शन आया सामने

**नईदिल्ली, एजेंसी।** लोकसभा चुनाव 2024 की तैयारियों के बीच दिल्ली पुलिस ने 3 करोड़ रुपये कैश के साथ 4 लोगों को पकड़ा है। यह पैसा हवाला का बताया जा रहा है। पुलिस पकड़े गए लोगों से इस रकम का स्रोत पता लगाने की कोशिश कर रही है। दिल्ली की सभी 7 सीटों पर लोकसभा चुनाव के लिए छठे चरण में 25 मई को वोट डाले जाएंगे।

जानकारी के अनुसार, दिल्ली कैंट थाना के बीट स्टाफ द्वारा झरेरा फ्लाईओवर एनएच-48 से चार लोगों को उनके दोपहिया वाहनों और दो काले बैग के साथ पकड़ा गया है। पुलिस को उनके कब्जे से 3 करोड़ रुपये की नकदी बरामद हुई है। प्रारंभिक तौर पर यह रकम हवाला की होने का संदेह है, लेकिन जांच शुरू कर दी गई है।

पकड़े गए लोगों की पहचान मोहम्मद शोमीन, जिशान, दानिश और संतोष के रूप में हुई हैं। पूछताछ करने पर उक्त लोगों ने बरामद रकम को किसी मोहम्मद वकील मलिकका हवाला का पैसा बताया। वकील मलिक शाहदरा में स्क्रैप डीलर के रूप में काम करता है। चुनाव आयोग के दिशानिर्देशों को ध्यान में रखते हुए उपरोक्त जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों, चुनाव फ्लाइंग स्क्वाड टीम, दिल्ली कैंट और आयकर अधिकारियों को दे दी गई और उपरोक्त कथित व्यक्तियों और उनके फोन को उपरोक्त अधिकारियों को सौंप दिया गया। दिल्ली की सात लोकसभा सीट के लिए 25 मई को मतदान होगा। चुनाव के लिए अधिसूचना 29 अप्रैल को जारी की जाएगी। इस बार कांग्रेस और आम आदमी पार्टी(आप) एक साथ चुनाव लड़ रही हैं जिसमें 'आप' चार सीटों और कांग्रेस तीन सीटों पर चुनाव लड़ेगी। 'आप' ने पूर्वी दिल्ली, दक्षिणी दिल्ली, नई दिल्ली और पश्चिमी दिल्ली सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं। कांग्रेस ने अभी तक राजधानी की तीन सीट चांदनी चौक, उत्तर-पूर्वी दिल्ली और उत्तर-पश्चिम दिल्ली से अपने उम्मीदवारों की घोषणा नहीं की है। दिल्ली में आप-कांग्रेस गठबंधन की मुख्य प्रतिद्वंद्वी भाजपा पहले ही सात सीट के लिए उम्मीदवारों की घोषणा कर चुकी है। उल्लेखनीय है कि पिछले दो लोकसभा चुनावों 2014 और 2019 में भाजपा ने दिल्ली की सभी सातों सीटों पर जीत हासिल की थी।

# पाकिस्तान ने वर्ष 2025-26 के लिए यूएनएससी की गैर-स्थायी सीट के लिए की उम्मीदवारी की औपचारिक घोषणा

**न्यूयॉर्क एजेंसी।** पाकिस्तान ने साल 2025 से 2026 तक दो साल के कार्यकाल के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में एक गैर-स्थायी सीट हासिल करने के लिए कवायद शुरू कर दी है। पाकिस्तान ने अंतरराष्ट्रीय शांति के लिए परिषद के जनादेश में सार्थक योगदान करने का वादा किया है। समचारा एजेंसी पीटीआई ने द एक्सप्रेस ट्रिब्यून के हवाले से यह जानकारी दी है।

द एक्सप्रेस ट्रिब्यून के मुताबिक, संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत मुनीर अकरम ने गुरुवार को ह्र में पाकिस्तान दिवस समारोह के सिलसिले में आयोजित एक स्वागत समारोह में उम्मीदवारी की औपचारिक घोषणा की। पाकिस्तान की यूएनएससी बोली के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय से समर्थन की मांग करते हुए अकरम ने अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए यूएनएससी के उद्देश्य में सार्थक योगदान देने' की पाकिस्तान की क्षमता पर विश्वास व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ग्लोबल साउथ के मुद्दों का समर्थन करने और सहकारी बहुपक्षवाद को बढ़ावा देने के लिए पाकिस्तान लगातार प्रयास कर रहा है। उन्होंने इस दौरान संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के योगदान पर भी प्रकाश डाला। अकरम ने कहा कि पाकिस्तान की विदेश नीति संयुक्त राष्ट्र चार्टर के सिद्धांतों में निहित है। न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तानी मिशन में आयोजित इस स्वागत समारोह में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) अध्यक्ष डेनिस फ्रांसिस, संयुक्त राष्ट्र के स्थायी मिशन के शीर्ष राजनयिक और अन्य लोग शामिल हुए।

# जम्मू-कश्मीर के लीथियम भंडार की होगी नीलामी

## महबूबा मुफ्ती का बीजेपी पर आरोप-इन्हें लूटकर कंपनियों को तोहफे में दिया जाएगा

**श्रीनगर (एजेंसी)।** जम्मू कश्मीर की पूर्व सीएम और पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने आरोप लगाया है कि बीजेपी कश्मीर के लिथियम भंडार उन कंपनियों को तोहफे में देगी, जो बाद में इससे होने वाली अवैध आय का एक हिस्सा उनकी पार्टी को डोनेट करेंगी। महबूबा ने एक्स पर उन मीडिया रिपोर्ट पर पोस्ट किया, जिनमें कहा गया है कि सरकार जम्मू-कश्मीर में लिथियम ब्लॉकों की फिर से नीलामी करेगी। लिथियम एक ऐसा नॉन फेरस मेटल (अलौह धातु) है, जिसका उपयोग मोबाइल-लैपटॉप, इलेक्ट्रिक व्हीकल समेत अन्य चार्जेबल बैटरी बनाने में किया जाता है। यह एक रेअर अर्थ एलिमेंट है। फरवरी 2023 में जम्मू के रियासी में 59 लाख (5.9 मिलियन) टन लिथियम और सोने के 5 ब्लॉक मिले हैं। महबूबा ने लिखा है- अब जब भाजपा और पूंजीपतियों के बीच सांठ-गांठ उजागर हो गई है। यह साबित हो चुका है कि भारत सरकार लद्दाखियों की वैध मांगों को क्यों नजरअंदाज कर रही है।

# संयुक्त राष्ट्र में महाराजा हरि सिंह के पोते ने अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के भारत सरकार के फैसले की सराहना

**संयुक्त राष्ट्र एजेंसी।** संयुक्त राष्ट्र में महाराजा हरि सिंह के पोते और भाजपा के वरिष्ठ नेता एमके अजातशत्रु सिंह ने अपने संबोधन में जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के भारत सरकार के साहसिक फैसले की सराहना की। अजातशत्रु ने 1947 में भारत के साथ क्षेत्र के विलय की संधि पर हस्ताक्षर किए थे और पाकिस्तान के कब्जे में रहने वाले लोगों की दुर्दशा के लिए अपनी गहरी चिंता व्यक्त की और उन्हें सुधारने के लिए संयुक्त राष्ट्र के हस्तक्षेप की मांग की। संयुक्त राष्ट्र में अपने संबोधन में वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा- 2019 में संवैधानिक सुधारों के बाद से क्षेत्र में आतंकवादी घटनाओं में उल्लेखनीय गिरावट आई है। 2004 से 2014 तक जम्मू-कश्मीर में कुल 7,217

आतंकवादी घटनाएं हुई। हालांकि सुधारों की बदौलत आतंकी घटनाओं में 70 प्रतिशत से अधिक की कमी आई है। यह सुधार क्षेत्र में शांति और स्थिरता बहाल करने में सरकार के कार्यों की प्रभावशीलता को रेखांकित करता है। इसके अलावा सामाजिक-आर्थिक मोर्चे पर जम्मू-कश्मीर में गरीबी का 2005-2006 में 40.45 प्रतिशत से घटकर 2022-2023 में मात्र 2.81 प्रतिशत होना विकास निधि के इष्टतम उपयोग का एक प्रमाण है। हालिया अंतरिम बजट 2024 में जम्मू-कश्मीर के लिए 14 अरब अमेरिकी डॉलर का पर्याप्त आवंटन किया गया, जो क्षेत्र की समृद्धि के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। अजातशत्रु ने कहा कि पिछले नौ वर्षों में जम्मू और कश्मीर ने बुनियादी ढांचे के विकास में एक उल्लेखनीय क्रांति देखी है, जिसमें नए मेडिकल कॉलेजों, सुरंगों, रेलवे लाइनों और नागरिक बुनियादी ढांचे की स्थापना शामिल है। अविभाजित जम्मू-कश्मीर के राजा करण सिंह के बेटे ने कहा- ये प्रगति क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करते हुए हासिल की गई है।

पूर्व मंत्री ने संयुक्त राष्ट्र से पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर के लोगों की स्थिति को सुधारने के लिए सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों के मुताबिक ठोस कदम उठाने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह जरूरी है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय उनकी शिकायतों का समाधान करें और यह सुनिश्चित करे कि उनके मौलिक अधिकारों को बरकरार रखा जाए। हालांकि, यह स्वीकार करना आवश्यक है कि जम्मू-कश्मीर के सभी हिस्सों को समान रूप से लाभ नहीं हुआ है।

## पाकिस्तान में भगत सिंह के लिए मांगा जा रहा न्याय, कहा-उनका मुकद्दमा दोबारा शुरू किया जाए

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** अविभाजित भारत के स्वतंत्रता संग्राम के नायकों- भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव- की 93वीं बरसी पर यहां शनिवार को उनके समर्थकों और अनुयायियों ने उन्हें न्याय सुनिश्चित करने के लिए उनका मुकदमा उसी तरह फिर से शुरू करने की मांग की, जैसा पूर्व प्रधानमंत्री जुल्फिकार अली भुट्टो के मामले में किया गया। ब्रिटिश शासकों ने भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को हुकूमत के खिलाफ साजिश रचने के आरोप में मुकदमा चलाने के बाद 23 मार्च, 1931 को यहां शादमान चौक पर फांसी दे दी थी। भगत सिंह को शुरू में आजीवन कारावास की सजा दी गई थी, लेकिन बाद में एक और मनगढ़ंत मामले में मौत की सजा सुनाई गई। उन्हें पूरे उपमहाद्वीप में न केवल सिख और हिन्दू, बल्कि मुसलमान भी सम्मान की नजर से देखते हैं। भगत सिंह की बरसी पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने वाले प्रतिभागियों ने बैनर लेकर और नारे लगाते हुए शहीद-ए-आजम के लिए न्याय की मांग की। इस अवसर पर भगत सिंह मेमोरियल फाउंडेशन, पाकिस्तान द्वारा आयोजित कार्यक्रम में शादमान चौक पर मोमबत्तियां जलाई गईं। कार्यक्रम के दौरान एक प्रस्ताव भी पारित किया गया, जिसमें न्यायालय से भगत सिंह के मामले की सुनवाई फिर से उसी तरह करने और उन्हें न्याय देने का आग्रह किया गया, जैसा जुल्फिकार अली भुट्टो के लिए किया गया था।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रकः- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय
कार्यालय पताः- 435 ऑर्बिट मॉल विजय नगर, इंदौर मध्यप्रदेश मोः- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा।

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार, आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।